दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

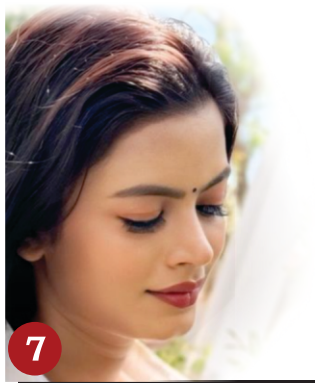

7

3 एक दिन में 60 मुकदमों पर फैसला

5 राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए बोले जिलाधिकारी बलिया :जहां शिक्षा जीवन को देती है उच्चता, तो खेल जीवन को करता है अनुशासित

8 जानें यूरो कप के सबसे युवा गोल स्कोरर यमाल के बारे में, मेसी के साथ 16 साल पुरानी तस्वीर वायरल

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 03 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 15 जुलाई, 2024

यूपी में बाढ़ और विकराल

यूपी के 800 गांव घिरे, छह की मौत...

हजारों लोगों का पलायन, हाइवे पर तीन फीट तक पानी

बरेली/शाहजहांपुर/खीरी । भारी बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के बाद यूपी के कई शहरों में अब बाढ़ का असर विकराल रूप लेता जा रहा है। बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सीतापुर के करीब 250 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं, लखीमपुर खीरी के 150, शाहजहांपुर के 30, बदायूं के 70, बरेली के 70 और पीलीभीत के करीब 222 गांव की बड़ी आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। पूर्वांचल के बलिया में भी बाढ़ की स्थिति के चलते कुछ घर बहने की खबर है।शाहजहांपुर में गर्रा नदी की बाढ़ का पानी दूसरे दिन शुक्रवार को भी दिल्ली–लखनऊ हाईवे पर रहने के कारण कार–बाइक व अन्य छोटे वाहनों का संचालन बंद रखा गया। बाढ़ के कारण रोडवेज बसें भी नहीं चलीं। मुरादाबाद– लखनऊ के बीच नए 22 कॉशन तय करके ट्रेनों को भी धीमी गति से गुजारा जा रहा है। शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में बाढ़ का पानी भरने के बाद मरीजों को आसपास के जिन अस्पतालों में शिफ्ट किया गया था, उनमें भी पानी भरने के बाद समस्या विकराल हो गई। वहीं शहर के बाहरी हिस्से में बसी आवास विकास कॉलोनी समेत अन्य निचले इलाकों से करीब 10 हजार लोगों ने पलायन किया है। एनडीआरएफ की टीम ने 225 लोगों को बचाया।बाढ़ से एसएस कॉलेज के पुस्तकालय में रखीं सैकड़ों साल पुरानी पांडुलिपियां नष्ट हो गई हैं। खीरी, शाहजहांपुर और बरेली में बाढ़ ने छह और लोगों की जान ले ली। बृहस्पतिवार पूर्वाह्न 11 बजे हाईवे पर बाढ़ का पानी आने के बाद वाहनों का संचालन रोक दिया गया था। दोपहर तीन बजे से केवल भारी वाहनों को धीमी गति से जाने की अनुमति दी गई थी।

रात में पानी का बहाव तेज होने के बाद स्थिति और खराब हो गई। बरेली मोड़ से बंधरा तक तीन से चार फुट पानी रहने के कारण शुक्रवार को भी छोटे वाहनों का संचालन शुरू नहीं किया गया। कई जगह बैरियर लगाकर इन वाहनों को रोका गया। उन्हें वैकल्पिक मार्गों पर भेजा गया। बाढ़ से घिरे लोगों ने शुक्रवार को सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर लिया। लोग ट्रैक्टर–ट्रॉली और नाव से सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। जिला प्रशासन के मुताबिक अब तक शहर के पांच हजार से अधिक लोगों को विस्थापित किया जा चुका है। कांशीराम कॉलोनी, आवास विकास कॉलोनी और अजीजगंज क्षेत्र की अधिकतर कॉलोनियों में बने मकानों में कई फुट पानी भरने के बाद एनडीआरएफ टीम ने शुक्रवार सुबह से ही बचाव कार्य शुरू कर फंसे 225 लोगों को बचाया।

बाढ़ ने एसएस कॉलेज को भी बड़ा नुकसान पहुंचाया है। कॉलेज के पुस्तकालय में रखीं सैकड़ों साल पुरानी पांडुलिपियां नष्ट हो गई हैं। खीरी में भी बाढ़ के हालात अभी काफी खराब है। तीन सौ से अधिक जिन गांवों में पानी भर गया था, उनमें से कुछ में जलस्तर कम हुआ है तो कहीं यथास्थिति है। जबकि निघासन तहसील क्षेत्र के 18 और गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। निघासन–पलिया रूट भी बंद कर दिया गया है।

स्मृति ईरानी पर टिप्पणियों से राहुल नाखुश

बोले– किसी को अपमानित करना कमजोर होने की निशानी... ऐसा न करें

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ सोशल मीडिया पर हो रही अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर राहुल गांधी ने जनता से अपील की है और कहा कि किसी का अपमान करना कमजोर होने की निशानी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेठी से पूर्व सांसद स्मृति ईरानी को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही टिप्पणी पर नाखुशी जाहिर की है।

उन्होंने एक्स पर कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं। मैं सभी से अपील करता हूं की स्मृति ईरानी के खिलाफ किसी भी तरह की अपमानजनक भाषा का प्रयोग न करें। किसी को बेइज्जत और शर्मसार करना कमजोर होने की निशानी है ताकतवर होने की नहीं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ऐसा न करें।

25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का एलान

1975 में इसी दिन लगी थी इमरजेंसी

हर साल संविधान हत्या दिवस मनाने का एलान
अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर बताया
25 जून 1975 को देश में इमरजेंसी लगाई गई थी

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का एलान किया है। इसको लेकर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अधिसूचना की प्रति पोस्ट कर यह जानकारी दी।

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, "25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था।

लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। भारत सरकार ने हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण करायेगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला था।"

केंद्र की मोदी सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने का एलान किया है। इसको लेकर केंद्र ने नोटिफिकेशन जारी किया है। दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। अब इसी के मद्देनजर मोदी सरकार ने कांग्रेस को घेरते हुए इस दिन को संविधान हत्या दिवस घोषित कर दिया है।

पुलिस रिकार्ड में मौत के बाद भी 'गुमशुदा' हो जिन्दा हैं हरीश– क्यों नहीं बंद हुई फाइल?

गोरखपुर ।शहर के मशहूर चिकित्सक डॉ. रामशरण की बेटी संचिता और दामाद हरीश बागेश ने रविवार को खुदकुशी कर ली थी, लेकिन अभी कैंट थाने में हरीश बागेश गुमशुदा की सूची में हैं। छह जुलाई की देर रात संचिता ने पति की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रविवार को दोनों की मौत हो गई। इसके बाद से हरीश बागेश के मिलने या मौत की रिपोर्ट अभी तक थाने में नहीं दी गई है। डॉक्टर द्वारा प्रमाण देने के बाद की पुलिस गुमशुदगी की फाइल में फाइनल रिपोर्ट लगाएगी। सिविल लाइंस इलाके में सात जुलाई को मशहूर मनोचिकित्सक डॉ. रामशरण श्रीवास्तव की बेटी संचिता और दामाद हरीश ने कुछ घंटों के अंतराल पर खुदकुशी कर ली थी। पहले दामाद का शव रविवार सुबह सारनाथ के होटल में फंदे से लटकता मिला। सूचना मिलते ही उसी दिन बेटी संचिता ने भी छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। सिविल लाइंस की संचिता शरण और पटना बाढ के हरीश बागेश की मौत के बाद भी उनकी प्रेम कहानी जानने के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक अकाउंट खंगाले जा रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर चल रहे दो अकाउंट

बता दें कि संचिता और हरीश के इंस्टाग्राम अकाउंट पर लगातार सर्च कर वीडियो और फोटो शेयर किए जा रहे थे। इसके बाद दो अकाउंट किसी ने अचानक बंद कर दिए।

23 राज्यों में पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट

बाढ़ में घिरे यूपी के 800 गांव बिहार में वज्रपात का कहर

लखनऊ। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में 23 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यूपी में बाढ़ के कारण 800 गांवों में पानी घुस गया है। पूरे देश में मानसूनी बारिश जारी है। पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश आसमान से आफत बनकर टूट रही है। उत्तराखंड के जोशीमठ में भूस्खलन के चलते बंद बदरीनाथ हाईवे 83 घंटे बाद खुल गया है। हाईवे बंद होने से लगभग साढ़े चार हजार यात्री जगह–जगह फंस गए थे। बिहार में बिजली गिरने से बीते 24 घंटे में 21 और लोगों की जान चली गई है। असम में बाढ़ की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है, लेकिन अभी भी 12 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। देश के 23 राज्य में अलग–अलग स्थानों पर अगले पांच दिन भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है और मौसम विभाग ने रेड, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किए हैं।

सम्पादकीय

पीछे रह गए पेड़

भारत के खेतिहर इलाके में 60 करोड़ छायादार पेड़ थे। 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र आठ सालों में साढ़े 6 करोड़ से अधिक छायादार पेड़ नष्ट कर दिए गए हैं

भारत के खेतिहर इलाके में 60 करोड़ छायादार पेड़ थे। 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र आठ सालों में साढ़े 6 करोड़ से अधिक छायादार पेड़ नष्ट कर दिए गए हैं। ये आंकड़े सबसे अधिक तेलंगाना, हरियाणा, केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के हैं, जहां गर्मी के कारण हाहाकार मचता है। ऐसे में हमारी आदतें और आरामपरस्ती नहीं बदलेगी तो हम निश्चित ही अपने अंत की ओर बढ़ रहे हैं। इन सबका बुरा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

गर्मी तो हर साल आती है लेकिन इस बार पिछले रिकार्ड भी तोड़ गई है। यह हमारी लगातार लापरवाही का नतीजा है। हमने कांक्रीट के जंगल बसाए, ढ़ेर सारे उपकरण लगाए, लेकिन पौधे नहीं लगाए, बल्कि उनको काट डाला। क्या हम अभी भी सचेत नहीं होंगे? बढ़ते तापमान को रोकने के लिए हमें अपनी कोशिशें तेज करनी होंगी। पिछले कई वर्षों के मुकाबले इस बार अप्रैल और मई के साथ जून महीने में इतनी भीषण गर्मी पड़ी है जिससे अब तक के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी, सूरज का बढ़ता पारा और लू के थपेड़ों से न केवल मनुष्य बल्कि पशु–पक्षी और जीव–जंतु सभी का हाल–बेहाल है।

सूरज का पारा दिन–प्रतिदिन बढ़ने का मुख्य कारण 'ग्लोबल वार्मिंग' है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान को ही 'ग्लोबल वार्मिंग' कहते हैं। पृथ्वी सूर्य की किरणों से ऊष्मा प्राप्त करती है जो वायुमंडल से गुजरते हुए पृथ्वी की सतह से टकराती हैं और धरती को ऊष्मा प्रदान करती है। इंसान की लापरवाही और धन की हवस के कारण वायुमंडल की निचली परत में 'ग्रीन हाउस गैसों' का आवरण सा बन जाता है। यह आवरण लौटती किरणों के एक बड़े हिस्से को रोक लेता है। ऐसी रुकी हुई किरणें ही धरती के तापमान को बढ़ाती हैं।

वायुमंडल में गैसों का एक निश्चित अनुपात माना गया है, लेकिन बढ़ती 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण संतुलन बिगड़ रहा है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाइ–ऑक्साइड की मात्रा में 24 लाख टन की बढ़ोतरी हुई है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 26 लाख टन की कमी आई है। यह असंतुलन मानव सहित पशु–पक्षियों और वनस्पति जगत के लिए बहुत ही चिंताजनक है। अगर हम अभी भी जागरूक नहीं होंगे तो वह दिन दूर नहीं जब हमें घर से बाहर निकलते हुए अपने साथ ऑक्सीजन का एक छोटा सिलेंडर भी ढोकर ले जाना होगा। अनुमान है कि भविष्य में 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण पृथ्वी के तापमान में और बढ़ोतरी होगी और अगर ध्रुव और ग्लेशियर की बर्फ पिघलने लगी तो पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जलमग्न हो सकती है और पृथ्वी पर महाप्रलय भी आ सकती है। भविष्य में संकट को देखते हुए 'ग्लोबल वार्मिंग' को रोकने के लिए हमें पौधे लगाने होंगे। केवल सरकार के भरोसे 'ग्लोबल वार्मिंग' को नहीं रोका जा सकता। अगर हर साल हर परिवार का एक व्यक्ति एक पौधा लगाए तो हम अपने आसपास के 2.5 सेंटीग्रेड फारेनहाइट तापमान को कम कर सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम मिलकर प्रयास करें, वरना भविष्य में ना केवल हमें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी कष्ट उठाना पड़ेगा। पेड़ मनुष्यों को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन का भंडारण करते हैं, मिट्टी को स्थिर करते हैं और दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के जीवों का पोषण करते हैं। वे हमें उपकरण और आवास के लिए आवश्यक संसाधन भी देते हैं। पेड़ पत्तेदार छाया और नमी से हवा, भूमि और पानी को ठंडा करते हैं। हमारे घरों के पास और हमारे समुदाय में लगाए गए पेड़ तापमान को नियंत्रित करते हैं, और जीवाश्म ईंधन को जलाने से उत्पन्न एयर–कंडीशनिंग और हीटिंग की आवश्यकता को कम करते हैं, जो वायुमंडलीय कार्बन डाइ–ऑक्साइड का एक प्रमुख स्रोत है। पेड़ अनगिनत प्रजातियों के लिए घोंसले बनाने की जगह, भोजन और आश्रय प्रदान करते हैं। पेड़ सभी वन्यजीवों को आश्रय और पोषण देते हैं।

प्रकृति इंसान की सबसे बड़ी दोस्त होती है, लेकिन इंसान को प्रकृति की उतनी परवाह नहीं है। इंसान अपने आराम के लिए प्रकृति का बेधड़क इस्तेमाल कर रहा है। पहले जहां जंगल थे, चारों तरफ जहां हरियाली थी, वहां अब हरियाली सिमटती नजर आ रही है और इसका सबसे बड़ा कारण है, इंसान। इंसानों ने अपने इस्तेमाल के लिए पेड़ों की कटाई की और जमीनों की खुदाई की। इसके साथ ही ऐसा वातावरण बनाया जिससे पिछले कुछ सालों में जंगल लगातार कम होते जा रहे हैं। 'भारतीय वन रिपोर्ट' के मुताबिक साल 2021 में भारत में 7,13,789 वर्ग किलोमीटर जंगल क्षेत्र था जो पूरे देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.72 प्रतिशत था। इसमें साल 2019 के बाद 1540 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई, लेकिन पिछले कुछ सालों में इसमें कमी देखने को मिली, जो एक चिंता का विषय है।

दुनिया में सबसे ज्यादा जंगल रूस में हैं। रूस में 815 मिलियन हेक्टेयर से ज़्यादा जंगल हैं, जो रूस के पूरे क्षेत्रफल का 45प्रतिशत है। दुनिया के सबसे बड़े जंगल की बात की जाए तो वह दक्षिण अमेरिका में है। दक्षिण अमेरिका का जंगल 'अमेजॉन रेनफॉरेस्ट' करीब 65 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसे पृथ्वी का फेफड़ा भी कहते हैं क्योंकि यह दुनिया की करीब 20प्रतिशत ऑक्सीजन पैदा करता है। वहीं अगर भारत की बात की जाए तो भारत में सबसे ज्यादा जंगल मध्यप्रदेश में हैं, जो 77,462 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं। हमारी जीवन शैली और कुछ लापरवाहियों की वजह से जो ठंडे इलाके माने जाते थे वहां भी अब गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। इसके तुरंत बाद बाढ़ और वर्षा की आपदाओं का सामना करना पडता है। इसके बाद फिर सूखा भी आएगा। खेती बर्बाद होगी। ऐसे में पानी के लिए पूरे देश में हाहाकार होगा। फिर जब ठंड का समय आएगा तो भी उतनी ठंड नहीं होगी जिससे हम महसूस कर सकें कि ठंड का मौसम आ गया है। नदियां सूख रही हैं। दुनिया भर में लाखों लोग गर्मी से मर रहे हैं।

इनमें 30 फीसद लोग एशिया के हैं। जिस रफ्तार से जंगल कट रहे हैं उस हिसाब से पर्याप्त पेड़ नहीं लग रहे हैं। 2010 की मैपिंग के अनुसार भारत के खेतिहर इलाके में 60 करोड़ छायादार पेड़ थे। 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र आठ सालों में साढ़े 6 करोड़ से अधिक छायादार पेड़ नष्ट कर दिए गए हैं। ये आंकड़े सबसे अधिक तेलंगाना, हरियाणा, केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के हैं, जहां गर्मी के कारण हाहाकार मचता है। ऐसे में हमारी आदतें और आरामपरस्ती नहीं बदलेगी तो हम निश्चित ही अपने अंत की ओर बढ़ रहे हैं। इन सबका बुरा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। अपने देश में पिछले एक–दो दशकों से 'पेड़ लगाओ अभियान' सरकार और समाज द्वारा चलाए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। पेड़ लगाने का काम हमें ईमानदारी से और पूरी गंभीरता से करने की जरूरत है। पेड़ लगाने के नाम पर बेईमानी से दूर होना होगा। आज पेड़ हमारी जिंदगी में बहुत पीछे रह गए हैं।

मां के नाम पेड़ और उजड़ते पहाड़

एक तरफ तो देश भर में इस समय सामान्य जनों से लेकर विशिष्ट लोग अपनी माताओं के नाम पेड़ लगाने की होड़ में हैं

एक तरफ तो देश भर में इस समय सामान्य जनों से लेकर विशिष्ट लोग अपनी माताओं के नाम पेड़ लगाने की होड़ में हैं। मुकाबला इस बात का भी है कि कैसे वे पेड़ लगाते हुए अपने फोटो एवं सेल्फियों को सोशल मीडिया पर वायरल करें। दिखावे के लिये ही सही पर इस तरह के अभियानों से किसी का विरोध नहीं है लेकिन दूसरी तरफ यह भी दिखता है कि 'भारत का मुकुट' कहा जाने वाला हिमालय लगातार उजड़ रहा है। इसका कारण है पेड़ों की अनवरत कटाई और वहां विकास का पर्याय बन चुका पर्यटन। पहाड़ों की प्राकृतिक सुषमा को निहारने के लिये आने वालों से लेकर इस पर्वत श्रृंखला में बने आस्था के केन्द्रों में माथा नवाने के लिये लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालु पर्वतों को बर्बाद करने में एक सरीखा योगदान दे रहे हैं। पिछले कुछ समय से पूरी हिमालयन रेंज में आने वालों की तादाद में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हुई है। खासकर, उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा लोग जा रहे हैं। यहीं सबसे ज्यादा तबाही देखने को मिल रही है। बद्रीनाथ हाईवे पिछले तीन दिनों से भूस्खलन के कारण जाम हुआ पड़ा है और बड़ी संख्या में तीर्थयात्री यहां फंसे हुए हैं।

10 जून को जैसे ही बद्रीनाथ एवं केदारनाथ मंदिरों के कपाट खुले, लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे। चार धाम की यात्रा हर धर्मप्राण हिंदू की सबसे बड़ी इच्छा होती है। 16 जून, 2013 को हुई उत्तराखंड की भीषण त्रासदी में न जाने कितने लोगों की जान गई थी। उसे मानों भुलाकर लोग अगले साल से ही उसी प्रकार इन धार्मिक केन्द्रों में चले आये थे। 11 वर्ष के बाद इस साल लगभग 60 प्रतिशत ज्यादा लोग जून के पहले हफ्ते में ही चार धाम के लिये पहुंचे थे। तब भी केदारनाथ एवं यमुनोत्री में मीलों लम्बा जाम लगा था। शुक्र तो यह था कि उस दौरान न कोई बारिश हुई और न ही भूस्खलन। यहां तक कि सरकार को रजिस्ट्रेशन रोक देना पड़ा था। इसका नतीजा यह हुआ कि वहां पहुंचे लोग राज्य भर में फैल गये थे। चूंकि इस पर्यटन से कथित रूप से सभी पहाड़ी राज्यों की इकानॉमी चलने की बात कही जाती है तो पर्वतों में बड़ी संख्या में होटल, रेस्टारेंट, होमस्टे, रोमांचक खेल आदि के नाम से लाखों की तादाद में पेड़ों को काटा गया। रास्ते चौड़े करने के लिये भी उनकी बलि ली गई। विशेषकर उत्तराखंड एवं हिप्र में यह सर्वाधिक हुआ है। पर्यटकों के जमावड़े ने जहां इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के नाम से पेड़ों की कटाई कराई, वैसे ही बड़ी संख्या में आने वाले वाहनों के कारण पूरा इको सिस्टम ही गड़बड़ा गया है। ग्लेशियरों में जमी बर्फ तेजी से पिघल रही है, नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है और त्रासदियों की पुनरावृत्ति हो रही है। इनमें सबसे ज्यादा हादसे भूस्खलन के होते हैं। भूगोल का अध्ययन बतलाता है कि हिमालय पर्वत श्रृंखला अपेक्षाकृत नयी है और वह अब भी निर्माणाधीन है इस कारण यह बेहद संवेदनशील है। इसकी स्वनिर्मित प्रणाली से छेड़छाड़ के नतीजे अच्छे नहीं निकलेंगे। वही देखने को मिल रहा है। जो देखने को नहीं मिल रही है वह है लोगों की जागरूकता और हिमालय सहित देश भर के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने की ललक– न सरकार की ओर से और न ही जनता की तरफ़ से। मैदानों में रहने वालों ने बड़े–बड़े उद्योग लगता हुआ देखने, कल–कारखाने खुलने, मॉल्स में शॉपिग करने, हाईराइज़ सोसायटियों में रहने और फोर लेन–सिक्स लेन सड़कों पर फर्राटे भरने के मोह में अनगिनत पेड़ों को कट जाने दिया और अमूमन दुपहरी में भी 38–40 से ऊपर न जाने वाला पारा जब 48 से 50 डिग्री को छूने लगा तो उन्हें पहाड़ों की हरियाली और ऊंचाइयों की याद आने लगी। हर वर्ष पर्यटकों के नाम से प्रकृति को तबाह करने वालों के झुंड आ रहे हैं और हर वर्ष उनकी संख्या में प्रति वर्ष इज़ाफ़ा हो रहा है।

हाल के इन वर्षों में धर्म और उसके नाम पर दिखावे का प्रचलन बढ़ा है, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेशों में स्थित धर्म स्थलों में आने वालों की तादाद भी बढ़ी है। वैसे तो मैदानी इलाकों के ऐसे स्थलों में भी जाने वालों की संख्या में जबर्दस्त इज़ाफ़ा हुआ है परन्तु पहाड़ों की भौगोलिकी कहीं अधिक संवेदनशील होती है जो बड़ी जनसंख्या का भार वहन करने में असमर्थ होते हैं। इसे रोकने में सरकारें नाकाम हो ही हैं। हर वर्ष अलबत्ता बिला नागा 5 जून को पड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर भी वैसे ही करोड़ों पौधे समारोहपूर्वक लगाये जाते हैं, जैसे इन दिनों चल रहे 'एक पेड़ मां के नाम्ब पर लग रहे हैं। इसके अलावा किसी भी परिसर में अतिथियों के हाथों लगाये गये पौधों का जतन सही तरीके से हुआ होता तो अब तक भारत में एक इंच जगह भी न छूटी होती जहां पेड़ न लहलहा रहे होते।

मैदानों से लेकर पहाड़ों तक आज कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे का जो आलम है वह इसी समझ का नतीजा है। देखा तो यह भी जा रहा है कि हर वर्ष सभी स्थानों पर गर्मी औसत से ज्यादा पड़ रही है और बरसात भी निर्धारित मात्रा से कहीं अधिक हो रही है। प्रकृति ने अपना चक्र करोड़ों वर्षों में बनाया है जिसे कुछ ही वर्षों में मनुष्य ने बिगाड़ कर रख दिया है। बदलाव की ज़रूरत मनुष्य के व्यवहार में होने की है वरना बड़ी प्राकृतिक आपदाएं प्रतीक्षारत तो हैं ही।

मास्को में मोदी–पुतिन मुलाकात ने भारत–रूस दोस्ती को फिर से पुख्ता किया

8–9 जुलाई 2024 को मॉस्को में आयोजित 22वां भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन भू–राजनीतिक रंगमंच में सबसे स्थायी दोस्ती में से एक को फिर से संवारने में एक लंबा रास्ता तय करेगा

आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार असंतुलन के मुद्दे को संबोधित करना है, जिसमें भारत–रूस से अधिक आयात करता है, विशेष रूप से तेल और अन्य ईंधन, ताकि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने में रूस की मदद की जा सके। भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति रूसी अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देगी। 8–9 जुलाई 2024 को मॉस्को में आयोजित 22वां भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन भू–राजनीतिक रंगमंच में सबसे स्थायी दोस्ती में से एक को फिर से संवारने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। मास्को और नई दिल्ली ने एक साथ कई उतार–चढ़ाव देखे हैं, चाहे ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस या संसद भवन में कोई भी सत्ता में रहा हो। सौभाग्य से, भारत–रूस संबंध अभी भी शासन परिवर्तन निरपेक्ष है, और पश्चिम के संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले 'नियम–आधारित आदेश' से लगातार वैचारिक हमलों का सामना कर चुके हैं। भारत और रूस के बीच दो दिवसीय द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन (जो यूक्रेन के मामले में नाटो देशों की शाही बैठक से ठीक पहले हो रहा है) में रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल प्रदान किया। मोदी और पुतिन ने एक–दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया, हाथ मिलाया और कई मौकों पर एक–दूसरे को 'प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया।

यह तथ्य कि मोदी के तीसरे कार्यकाल, जो भले ही कम जनादेश के साथ आया, के बाद रूस उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गंतव्य है। यह मॉस्को–नई दिल्ली के सदाबहार रणनीतिक संबंधों के महत्व के बारे में बहुत कुछ कहता है। इसके अलावा, मोदी की नवीनतम यात्रा पांच साल बाद हो रही है। पिछली बार 2019 में व्लादिवोस्तोक में आर्थिक बैठक हुई थी, और फरवरी 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद उनकी पहली यात्रा है। साथ ही इस साल मार्च में हुए रूसी राष्ट्रपति चुनावों में पुतिन की शानदार जीत के बाद भी।

महत्वपूर्ण बात यह है कि औपचारिक और अनौपचारिक दोनों खंडों वाली दो दिवसीय बैठक में नेताओं ने आर्थिक और रक्षा संबंधों, व्यापार की मात्रा, ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग, रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग को एक साथ विकसित करने, परमाणु ऊर्जा के साथ–साथ अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में सहयोग संबंधी मुद्दों की एक विस्तृत सूची तैयार की। '2030 तक की अवधि के लिए रूस–भारत आर्थिक सहयोग के रणनीतिक क्षेत्रों के विकास पर नेताओं के संयुक्त वक्तव्य' में कहा गया है कि मॉस्को और नई दिल्ली 'पारस्परिक सम्मान और समानता के सिद्धांतों का दृढ़ता से पालन करने, पारस्परिक रूप से लाभकारी और दीर्घकालिक आधार पर दोनों देशों के संप्रभु विकास' के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो 'दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के गतिशील विकास की प्रवृत्ति को बनाये रखने और 2030 तक इसकी मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने की इच्छा से निर्देशित होगा'।

नेताओं के संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, नौ प्रमुख क्षेत्रों में 'द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग' किया जाएगा, जिनमें 1. गैर–टैरिफ व्यापार बाधाओं को समाप्त करना,ईएईयू–भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की संभावना, तथा 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डालर का परस्पर व्यापार हासिल करना; 2. राष्ट्रीय मुद्राओं और डिजिटल वित्तीय साधनों का उपयोग करके द्विपक्षीय निपटान प्रणाली का विकास; 3. उत्तर–दक्षिण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे, रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई–व्लादिवोस्तोक समुद्री रेखा के नये मार्गों पर कार्गो कारोबार में वृद्धि; 4. कृषि, खाद्य और उर्वरक में द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि; 5. परमाणु ऊर्जा, तेल शोधन, पेट्रोकेमिकल्स और आपसी ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग; 6. बुनियादी ढांचे का विकास; एक दूसरे के बाजारों में भारतीय और रूसी कंपनियां, मूल्यांकन का मानकीकरण; 8. दवा, चिकित्सा और जैव सुरक्षा; और 9. संस्कृति, पर्यटन, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा आदि में मानवीय सहयोग।

आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार असंतुलन के मुद्दे को संबोधित करना है, जिसमें भारत–रूस से अधिक आयात करता है, विशेष रूप से तेल और अन्य ईंधन, ताकि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने में रूस की मदद की जा सके। भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति रूसी अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देगी क्योंकि देश यूरोप से अलग होकर प्रभावी रूप से विविधता लाने में सक्षम होगा, जबकि भारत अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा जो जल्द ही जीडीपी में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगी। हालांकि, भारत–रूस का कुल व्यापार अभी भी रूस–चीन व्यापार की मात्रा का लगभग एक तिहाई है, जो 240अरब अमेरिकी डॉलर है। परन्तु व्यापार तेजी से बढ़ रहा है, खासकर रूस–यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से। रूस टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'रूस और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा में वृद्धि जारी रही, जो चालू वर्ष के पहले चार महीनों में रिकॉर्ड 23.1अरब डॉलर पर पहुंच गई, जो 2023 की इसी अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है'।

सबसे बड़ी चिंताओं में से एक संबंधित राष्ट्रीय मुद्राओं में पारस्परिक भुगतान की एक स्थायी डिजिटल व्यवस्था का निर्माण रहा है, जिसमें रुपया–रूबल विनिमय निपटान में लगातार रुकावटें जारी रही हैं। चूंकि ब्रिक्स देश वैश्विक दक्षिण के लिए डॉलर को कम करने और वैकल्पिक वित्तीय व्यस्था बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो अमेरिकी डॉलर और उसके साथ जुड़े प्रतिबंधों से दूर जा रहा है, भारत और रूस के लिए आपसी राष्ट्रीय मुद्राओं में खातों का निपटान करना कठिन रहा है। इसके अलावा, रक्षा आपूर्ति में अनजाने में देरी, भारत की सैन्य खरीद में विविधता और स्वदेशीकरण, तथा रूसी सेना में भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीयों की भर्ती के बारे में भ्रमसहित अन्य लंबित मुद्दों को द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में उचित रूप से संबोधित किया गया है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने लंबे समय से चल रहे रूस–यूक्रेन युद्ध के बारे में विनम्रतापूर्वक चिंता व्यक्त की, शांति वार्ता और सैन्य समाधानों पर बातचीत पर जोर दिया, जिसके लिए राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें धन्यवाद दिया। मोदी ने जो कहा वह रूसी पक्ष की चेतावनी नहीं थी, बल्कि वैश्विक दक्षिण की चिंता थी जो सभी के लिए शांति और समृद्धि चाहता है। यह पश्चिम से आने वाले पाखंड में नैतिकता के उच्च–वोल्टेज व्याख्यानों के बिल्कुल विपरीत है, जो एकतरफा रूप से रूस की बहुत छोटी–छोटी गलतियों की निंदा करते हैं जबकि वे नरसंहार करने वाले इजरायल के पक्ष में गाजा के विनाश के लिए बल्लेबाजी करते हैं।

एलपीजी कंपनी ने मंडल की 20 एजेंसियों के सिलेंडर पर लगाई रोक, सीएम पोर्टल पर शिकायत

गोरखपुर। एलपीजी कंपनी की तरफ से मंडल के 20 एजेंसी संचालकों को बुलाकर गैस सिलिंडर की लोडिंग पर रोक लगा दी गई। कंपनी की तरफ से शर्त रखी गई कि पहले नॉन फ्यूल रेवेन्यू (एनएफआर) का टारगेट एजेंसी संचालक पूरा करें, फिर उन्हें सिलेंडर की डिलीवरी दी जाएगी। अगर सिलिंडर नहीं मिले तो लोगों के घरों के चूल्हे नहीं जल पाएंगे। मंडल के कई गैस एजेंसी संचालकों ने एलपीजी कंपनी के खिलाफ सीएम पोर्टल और आपूर्ति विभाग से शिकायत की है। आरोप लगाया कि एलपीजी कंपनी की तरफ से मंडल के 20 एजेंसी संचालकों को बुलाकर गैस सिलिंडर की लोडिंग पर रोक लगा दी गई। कंपनी की तरफ से शर्त रखी गई कि पहले नॉन फ्यूल रेवेन्यू (एनएफआर) का टारगेट एजेंसी संचालक पूरा करें, फिर उन्हें सिलेंडर की डिलीवरी दी जाएगी। अगर सिलिंडर नहीं मिले तो लोगों के घरों के चूल्हे नहीं जल पाएंगे।

एलपीजी कंपनी और एजेंसी संचालक के बीच अनुबंध पत्र के दौरान यह साफ होता है कि एजेंसी संचालक अपनी मर्जी और सहमति से कंपनी के इन सामानों को भी खरीद सकता है। जरूरत पड़ने और ग्राहकों की मांग पर इसे एजेंसी भी दे सकती है या ग्राहक कंपनी से सीधे आकर खरीद लें।

एलपीजी कंपनी आईओसीएल के खिलाफ पीपीगंज के एक गैस संचालक ने आईजीआरएस पोर्टल पर सीएम से शिकायत की है। आरोप लगाया कि वो पीपीगंज में लंबे समय से गैस एजेंसी का संचालन करते हैं। बुधवार को उन्हें भी बैठक में जाना था, लेकिन नहीं जा सके।

दोपहर बाद उन्हें पता चला कि उनके अलावा मंडल के करीब 20 एजेंसी संचालकों को गैस की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। शर्त रखी गई है कि उन्हें एनएफआर के तहत 19 किलोग्राम कॉमर्शियल सिलेंडर, 19 किलोग्राम नैनो कट, 5 किलोग्राम कॉमर्शियल और 2 किलोग्राम सिलेंडर की बुकिंग करनी है। कहा गया कि पहले एजेंसी संचालक सिलेंडर ट्राली, गैस लाइटर, पाइप, स्टोप, थर्मल स्टोप(चूल्हा) किचन अप्लायंसेस, फायर वॉल, (आग बुझाने वाला) के अलावा एक पेंट(निजी कंपनी) और एफएमसीजी के तहत कुछ सामानों की बुकिंग करनी होगी। इसी बुकिंग के बाद उन्हें सिलेंडर का लोड जारी किया जाएगा। इसी शर्त पर उनकी और अन्य एजेंसी संचालकों का सिलेंडर रोक दिया गया है।

आपूत दफ्तर में भी की शिकायत

एक गैस एजेंसी संचालक ने आपूर्ति विभाग में भी लिखित शिकायत की है। शिकायत में बताया कि उनके गैस की डिलीवरी को एलपीजी कंपनी की तरफ से रोक दी गई है। ऐसे में अब गैस सिलेंडर की सेवा दे पाने में वो असमर्थ हैं। उन्होंने आपूर्ति विभाग में संपर्क कर एलपीजी कंपनी पर दबाव बनाकर उनके गैस को लोड को जारी करने की गुजारिश की है।

मंडल एलपीजी प्रमुख रवि कुमार चंदेरिया ने बताया कि एलपीजी कंपनी की तरफ से किसी सामान के खरीदने के लिए बाध्यता नहीं दी गई है। किसी गैस एजेंसी के लोड को नहीं रोका गया है। एजेंसी संचालकों को कुछ गलतफहमी हो गई होगी।

सुरक्षा के तहत हॉकरों को घर–घर जाकर किचन में गैस सिलेंडर के प्रयोग और रखरखाव की जांच की जा रही है। इसके तहत अगर कहीं जरूरत पड़ी तो ग्राहक या हॉकर एजेंसी संचालक या कंपनी से संपर्क कर सामानों को खरीद सकता है। लेकिन, इसके लिए किसी प्रकार की बाध्यता नहीं है।

जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ग्राहक सिलेंडर की खरीदारी के समय सिर्फ रेगुलेटर और गैस सिलेंडर खरीदने के लिए बाध्य होता है। इसके अलावा कंपनी या एजेंसी किसी भी अन्य सामान के खरीदारी का दबाव नहीं बना सकती है। ये गलत है। ऐसी शिकायतें सामने आई हैं। इसकी जांच करवाई जाएगी। कंपनी की तरफ से भी उनकी जीओ मांगा जाएगा। देखें तो किस आधार पर उनकी तरफ से ऐसा किया गया, जिसकी शिकायत आई है।

एक दिन में 60 मुकदमों पर फैसला

1800 बीघे जमीन कर दी भूमाफिया के नाम, जानें कैसे हुआ पूरा खेल

प्रयागराज। फूलपुर तहसील में 2015 में अरबों रुपये की सरकारी जमीन को भूमाफिया के नाम करने का अजब खेल खेला गया है। तत्कालीन तहसील प्रशासन ने एक दिन में 60 वादों को निस्तारित कर करीब 1800 बीघे जमीन भूमाफिया के नाम कर दी। फूलपुर तहसील में 2015 में अरबों रुपये की सरकारी जमीन को भूमाफिया के नाम करने का अजब खेल खेला गया है। तत्कालीन तहसील प्रशासन ने एक दिन में 60 वादों को निस्तारित कर करीब 1800 बीघे जमीन भूमाफिया के नाम कर दी। इनमें से 52 वाद तो दाखिल करने के एक दिन बाद ही निस्तारित कर दिए गए। खास बात है कि ज्यादातर मामलों में सुनवाई करने वाले अधिकारी ने राजस्व टीम की आख्या पर बस ओके लिख दिया है।

झूंसी के पास स्थित आठ गांवों में स्थित इस जमीन की कीमत नौ से 10 अरब रुपये बताई जा रही है। अब डीएम की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम को पूरे मामले की जांच कर एक महीने में रिपोर्ट शासन को भेजनी है। मामला दिसंबर 2015 का है। बलवान सिंह यादव नामक व्यक्ति ने अप्रैल में यह शिकायत की थी। शिकायतकर्ता की ओर से एसडीएम के स्तर पर हुए 61 आदेशों की प्रति भी लगाई है, जिसके माध्यम से 1800 बीघे जमीन अलग–अलग लोगों के नाम कर दी गई है। इस आधार पर मंडलायुक्त के निर्देश पर कराई गई प्रारंभिक जांच में बड़े ही चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

शिकायतकर्ता के पत्र व मंडलायुक्त की ओर से सात जून को भेजी जांच रिपोर्ट के अनुसार इन भूखंडों से संबंधित 52 वाद वर्ष 10 दिसंबर 2015 को दाखिल हुए थे। इसके अलावा आठ वाद इससे तीन दिन पहले यानी सात दिसंबर को दाखिल हुए थे। इन सभी 60 वादों को 12 दिसंबर को निस्तारित कर दिया गया। इसके विपरीत एक वाद उसी वर्ष 10 दिसंबर को दाखिल हुआ था, जिसका निस्तारण पिछले वर्ष छह नवंबर हुआ।

ज्यादातर वादों में तहसीलदार की ओर से आख्या लगाई गई है, जिसे एसडीएम ने स्वीकृति प्रदान कर दी। कई वाद में तहसीलदार की आख्या के आगे बस ओके लिख दिया गया है। वाद निस्तारण को लेकर स्पष्ट आदेश नहीं दिया गया है और न ही इसके अंतिम रूप से निस्तारण संबंधी आदेश के औचित्य को ही स्पष्ट किया गया है। इन आदेशों से यह स्पष्ट भी नहीं है कि इनके निस्तारण में इतनी तत्परता क्यों दिखाई गई।शासन की ओर से पूरे मामले की जांच के लिए कहा गया है। डीएम, एडीएम सिटी और बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी की जांच समिति यह भी देखेगी कि इन वादों का निस्तारण किन परिस्थितियों में अप्रत्याशित शीघ्रता से किया गया है। जांच समिति यह भी देखेगी कि तत्कालीन प्रशासन व्यक्तियों, भूमाफिया, बिल्डरों के बीच संबंधों को भी देखेगी, जिसकी वजह से वादों के निस्तारण में अतिशीघ्रता दिखाई गई।

रेलवे की भी करोड़ों की बेच दी गई थी जमीन

फूलपुर तहसील के अंतर्गत 2015 में एक अन्य जमीन घोटाला हुआ था। उस समय रेलवे ग्राम समाज के साथ रेलवे की जमीन भी भूमाफिया को बेच दी गई थी। उस मामले में तत्कालीन तहसील प्रशासन की मिलीभगत सामने आई थी, जिसकी अभी जांच चल रही है।

255 पेज के शिकायत पत्र में आदेशों की भी लगाई गई है प्रति

बलवान सिंह की ओर से 255 पेज का शिकायती पत्र दिया गया है। इसमें रेवेन्यू केसेज कंप्यूटराइज्ड सिस्टम पोर्टल पर अपलोड सभी 61 आदेशों की प्रति भी लगाई गई है। इस आधार पर मंडलायुक्त की ओर से जांच कराके पिछले महीने रिपोर्ट भेजी गई थी। इन्हीं आधारों पर अमर मुख्य सचिव राजव पी.गुरु प्रसाद ने डीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है। इसके अलावा आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद की अनुमति पर उत्तर प्रदेश उप भूमि व्यवस्था आयुक्त भीष्मलाल वर्मा की भी ओर से भी जांच का आदेश दिया गया है।

मंगाए गए सभी दस्तावेज

डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। तहसील से सभी आदेशों की मूल कॉपी मंगाई गई है। निबंधन कार्यालय से सभी संबंधित भूखंडों की रजिस्ट्री की मूल प्रति मंगाई गई है। इसके अलावा कलक्ट्रेट एवं तहसील में रखे गए भूखंड से संबंधित पुराने दस्तावेज भी मंगा लिए गए हैं। ताकि, यह देखा जा सके कि यह ग्राम समाज की ही जमीन है। पूरे मामले में उस दौरान तैनात एसडीएम, अफसरों और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाएगी।

पूर्व मंत्री अमरमणि की अग्रिम याचिका खारिज

कोर्ट ने कहा– 'जमानत देने से समाज में जाएगा गलत संदेश'

बस्ती। पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की अग्रिम जमानत अर्जी बृहस्पतिवार को खारिज कर दी गई। आदेश में कहा गया कि अभियुक्त ने गंभीर प्रकृति का अपराध किया है। इस स्तर पर यदि जमानत पर छोड़ा गया तो समाज में इसका गलत संदेश जाएगा। इसके पहले, पीड़ित राहुल मद्धेशिया की तरफ से 21 जून को न्यायालय में स्वयं हाजिर होकर सुलहनामा दाखिल किया गया है। जिसमें कहा गया है कि उसके अपहरण में अमरमणि त्रिपाठी की भूमिका नहीं है। पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की अग्रिम जमानत अर्जी बृहस्पतिवार को खारिज कर दी गई। आदेश में कहा गया कि अभियुक्त ने गंभीर प्रकृति का अपराध किया है। इस स्तर पर यदि जमानत पर छोड़ा गया तो समाज में इसका गलत संदेश जाएगा।

विशेष न्यायाधीश एमपी–एमएलए न्यायालय प्रमोद कुमार गिरि ने आदेश में जिक्र किया है कि आरोपी पर नौतनवां महराजगंज, कोतवाली गोरखपुर सहित विभिन्न थानों में 36 मुकदमे दर्ज हैं। अभियुक्त के न्यायालय में हाजिर न होने की वजह से गैर जमानती वारंट जारी है। बावजूद इसके वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा है। ऐसे में अग्रिम जमानत प्रार्थनापत्र स्वीकार करने योग्य नहीं है। ऐसे में प्रार्थनापत्र निरस्त किया जाता है। बता दें कि गैंगस्टर व अपहरण केस में अमरमणि त्रिपाठी की तरफ से जिला एवं सत्र न्यायाधीश को संबोधित तीन पन्ने के नोटरी शपथ पत्र के साथ जमानत की अर्जी दी गई थी।

कहा गया था कि केस के वादी की मृत्यु हो चुकी है। पीड़ित राहुल मद्धेशिया की तरफ से 21 जून को न्यायालय में स्वयं हाजिर होकर सुलहनामा दाखिल किया गया है। जिसमें कहा गया है कि उसके अपहरण में अमरमणि त्रिपाठी की भूमिका नहीं है। अमरमणि को जानता–पहचानता नहीं हूं और न कभी मिला हूं।शपथ पत्र में कहा गया था कि जो आपराधिक इतिहास पुलिस दिखा रही है, उनमें से अधिकतर केस समाप्त हो चुके हैं। गैंगस्टर व अपहरण समेत अन्य केस में गैर जमानती वारंट जारी है। इसलिए पुलिस कभी भी गिरफ्तार कर सकती है। ऐसे में अग्रिम जमानत स्वीकार की जाए। मगर, याचिका खारिज कर दी गई।

करगिल युद्ध के 25 साल

जिस गांव में आने वाली थी मंगेतर की डोली, वह शहीद का शव लेकर पहुंची घर

गोरखपुर। खुमताई में जिंटू के अंतिम संस्कार के बाद, उनके पिता ने अपने बेटे की राख का एक हिस्सा युद्ध के मैदान में वापस भेज दिया। गोगोई चाहते थे कि इनके बेटे की राख को काला पत्थर पर बिखेर दिया जाए। करगिल युद्ध के 25वें विजय दिवस पर, राष्ट्र उन बहादुर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को याद कर रहा है, जिन्होंने 1999 में करगिल जंग के दौरान अपने अटूट बहादुरी का प्रदर्शन किया था। यह दिन हमारे देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए उनकी बहादुरी और समर्पण की याद दिलाता है। साथ ही, उन परिवारों के लिए भी संवेदना व्यक्त करने का वक्त है, जिन्होंने जंग के दौरान अपने बच्चों और पिता के खोने का अपार दर्द सहा, फिर भी वे देश के लिए मजबूती से खड़े रहे। इन्हें में से एक थे असम के रहने वाले कैप्टन जिंटू गोगोई। जिन्होंने करगिल युद्ध के दौरान बटालिक में काला पत्थर पर पाकिस्तानी सेना से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। वहीं उनके लिए प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी व्यक्तिगत तौर पर हस्तक्षेप किया था।

दुश्मन के सामने नहीं किया सरेंडर

29 जून 1999 की रात को कैप्टन जिंटू गोगोई को बटालिक सब–सेक्टर के जुबेर हिल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास काला पत्थर की रिज लाइन से दुश्मनों को खदेड़ने का काम सौंपा गया था। वे इस कार्रवाई में शहीद हो गए और उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया। असम के खुमताई गांव (गोलाघाट जिले) के रहने वाले उनके पिता मानद फ्लाइंग ऑफिसर थोगीराम गोगोई बताते हैं कि उन्हें अपने बेटे की मौत की खबर 2 जुलाई 1999 को मिली थी। जब जंग छिड़ने की खबर आई, तो कैप्टन जिंटू छुट्टी पर थे। उनकी 12 दिन पहले ही सगाई हुई थी। वे युद्ध शुरू होने से ठीक पहले उत्तरी कश्मीर के केरन सेक्टर में अपनी सेवाएं दे चुके थे, इसलिए उनकी बटालियन को दुश्मनों को खदेड़ने के लिए भेजा गया था। भारी गोलाबारी का सामना करने के बावजूद वे अपनी टीम के साथ सुबह–सुबह चोटी पर पहुंच गए। उन्हें तुरंत दुश्मनों ने घेर लिया। कैप्टन गोगोई को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन अपनी रेजिमेंट के आदर्श वाक्य, "युद्धया कृत निश्चय (दृढ़ संकल्प के साथ लड़ो)" को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपने रेजिमेंटल युद्ध के नारे, "बद्री विशाल लाल की जय (भगवान बद्री नाथ के पुत्रों की विजय)" के साथ दुश्मन सैनिकों पर धावा बोल दिया। उन्होंने सर्वोच्च बलिदान देने से पहले दुश्मन पर गोलियां चलाईं और दो पाकिस्तानी सैनिकों को ढेर कर दिया। उनके वीर चक्र प्रशस्ति पत्र में लिखा है, "कैप्टन जिंटू गोगोई ने सबसे दुर्गम इलाके में दुश्मन का सामना करते हुए बहादुरी का सबसे विशिष्ट कार्य, कर्तव्य के प्रति अद्वितीय समर्पण और असाधारण स्तर का नेतृत्व प्रदर्शित किया और भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपरा में सर्वोच्च बलिदान दिया।"

बचपन से ही था फौजियों वाली आदतें

कैप्टन जिंटू गोगोई का जन्म 21 नवंबर 1970 को कानपुर के वायुसेना अस्पताल में हुआ था। उनके पिता खुद 1962, 1965 और 1971 युद्ध में हिस्सा ले चुके हैं। परिवार में जिंटू के अलावा दो बहनें और हैं।

अपने बेटे के शुरुआती दिनों को याद करते हुए गोगोई कहते हैं, जिंटू बचपन से ही बहुत अनुशासित था। मेरी वर्दी उसे भाती थी। उसने फौजियों वाली कुछ आदतें अपना ली थीं, जिसमें अपनी स्कूल यूनिफॉर्म का ख्याल रखना, जूते पॉलिश करना और समय का पाबंद रहना शामिल था। बाद में वह नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) में भी शामिल हो गया। हालांकि वह एक होनहार छात्र नहीं था, लेकिन बैडमिंटन, टेबल टेनिस और फुटबॉल में वह अव्वल था। सोशल वेलफेयर स्टडीज में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद, वह 1994 में, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) में शामिल हो गए। मार्च 1995 में, 59 कोर्स में उन्हें 17 गढ़वाल राइफल्स की प्रतिष्ठित बटालियन में कमीशन मिला।

12 दिन बाद निकाला गया शव

बटालिक की 16,165 फीट ऊंची चोटी काला पत्थर (केपी)––– प्वाइंट 4927 पर गोगोई को सोलर प्लेक्सस में मशीन गन से गोली लगी, लेकिन वे तब तक फायरिंग करते रहे जब तक वे गिर नहीं गए। वे जख्मी हो गए, और उनका शव जुबार टॉप पर पिकेट से बमुश्किल 150 गज की दूरी पर मिला। उनका शव चट्टानों से नीचे गिर गया था। लगभग 12 दिन बाद प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तिगत हस्तक्षेप के बाद उनके पार्थिव शरीर को वहां से निकाला गया। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान कैप्टन जिंटू गोगोई के अलावा

17 गढ़वाल राइफल के ग्यारह अन्य सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी।

बेटे की राख को काला पत्थर पर बिखेरी

खुमताई में जिंटू के अंतिम संस्कार के बाद, उनके पिता ने अपने बेटे की राख का एक हिस्सा युद्ध के मैदान में वापस भेज दिया। गोगोई चाहते थे कि इनके बेटे की राख को काला पत्थर पर बिखेर दिया जाए। जिंटू की बटालियन उस वक्त बटालिक की ऊंचाइयों पर तैनात थी। जिंटू की राख लाल कपड़े में बंधे एक मटके में उनके बटालियन को भेजा। जहां उस समय जिंटू के साथी रहे लेफ्टिनेंट ऋषि सिंह ने उनकी राख को काला पत्थर की मिट्टी में बिखेर दिया। उनके पिता टीआर गोगोई खुद काला पत्थर जाना चाहते थे और अपने बेटे की आत्मा को श्रद्धांजलि देना चाहते थे। लेकिन वृद्ध गोगोई के लिए यह मुश्किल था। 2023 में एक अभियान के दौरान कुछ सैनिक काला पत्थर पर चढ़े, और वहां की मिट्टी एकत्र की और इसे कलश पर लाल कपड़ा बांध कर गोगोई को भेज दिया। उनके पिता अब उस मिट्टी का एक हिस्सा, खुमताई में बन रहे जिंटू के नए स्मारक पर छिड़कना चाहते हैं।

पार्थिव शरीर लेकर असम पहुंची मंगेतर

टीआर गोगोई बताते हैं कि जिंटू की मंगेतर, जिनसे उनकी शादी होने वाली थी, वह ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) में प्रस्तोता थीं। 2 जून 1999 को उनकी सगाई हुई थी, और 30 जून को जिंटू की मौत की खबर आ गई। जिस खुमताई गांव में वे दुल्हन बन कर आने वाली थीं, उस गांव में वे जिंटू का पार्थिव शरीर लेकर पहुंची।

उन्होंने उसके बाद किसी और से शादी करने से इनकार कर दिया। काफी समझाने–बुझाने के बाद वह शादी के तैयार हुईं और सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शादी कर ली। वहीं उनकी बेटी भी उस दिन पैदा हुई, जिस दिन जिंटू का जन्मदिन होता था। वह कहते हैं कि घर में जिंटू की कमी अभी भी महसूस होती है। घर में वह खालीपन अभी भी महसूस होता है।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए 10 हजार पशु सखियों को प्रशिक्षित करेगी योगी सरकार, ये है प्लान

लखनऊ। पायलट प्रोजेक्ट के तहत 25 जिलों के 50 विकास खंडों में कार्यक्रम लागू किया जाएगा। शुरुआत में 2000 पशु सखियों को ए–हेल्प एजेंट के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार पशुधन और ग्रामीण आबादी के विकास व उनकी स्थाई आय बढ़ाने के लिए ए–हेल्प कार्यक्रम का संचालन करने जा रही है, जिसे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और पशुपालन विभाग के संयुक्त प्रयास से संचालित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को पहले पायलट प्रोजेक्ट के तहत अगस्त माह के पहले हफ्ते में लॉन्च किया जाएगा। शुरुआत में इसे 25 जिलों के 50 विकास खंडों में लागू किया जाएगा, जिसके बाद योगी सरकार इसे पूरे प्रदेश में लागू करेगी। इसके अंतर्गत अगले दो साल में 10 हजार पशु सखियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

ए–हेल्प कार्यक्रम के जरिये दो हजार पशु

सखियों को किया जाएगा प्रशिक्षित

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन डायरेक्टर दीपा रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप ग्रामीणों की आय बढ़ाने एवं उच्च गुणवत्ता के दुधारु पशुओं की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसी के तहत पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के 25 जिलों के 50 विकास खंडों में ए–हेल्प कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। इसका उद्देश्य सरकारी पशु चिकित्सालयों के साथ समन्वय बनाना है ताकि आवश्यक पशु चिकित्सा सेवाओं जैसे एथनो–वेट प्रथाओं, पशु रोगों की रोकथाम, समय पर टीकाकरण, कृमिनाशक दवाएं, कृत्रिम गर्भाधान, पशु बीमा आदि को गांव स्तर पर ही उपलब्ध कराया जा सके। वहीं, योगी सरकार का लक्ष्य है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,000 पशु सखियों को ए–हेल्प एजेंट के रूप में प्रशिक्षित करना है। अगले दो वर्षों में यह संख्या बढ़कर 10,000 एजेंटों तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे कार्यक्रम की पहुंच और प्रभाव में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

पशु सखियों की आय में बढ़ोतरी का सारथी बनेगा ए–हेल्प कार्यक्रम

मिशन डायरेक्टर ने बताया कि ए–हेल्प कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पशु सखियों की आय को बढ़ावा देना है, जिससे उनकी वार्षिक आय 60,000 रुपये तक बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत कवर किए गए जिलों और विकास खंडों में मिशन स्टाफ का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। इसके अलावा, पशु सखियों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए प्रशिक्षण योजनाएं विकसित की गई हैं ताकि वे अपनी भूमिकाओं को प्रभावी ढंग से निभा सकें। प्रशिक्षण सत्रों की सफल समाप्ति के साथ ए हेल्प कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए मंच तैयार है। यह एकीकृत दृष्टिकोण न केवल पशुधन उत्पादकता और स्वास्थ्य में सुधार करेगा बल्कि ग्रामीण समुदायों को पशुपालन से अधिकतम आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधनों से भी सशक्त बनाएगा।

मैं घर में भी पढ़वा लूंगा नमाज

विधायक ओम कुमार को सद्बुद्धि मिले', नगीना सांसद चंद्रशेखर का पलटवार

बिजनौर। भाजपा विधायक ओमकुमार के एक वीडियो को लेकर पश्चिमी यूपी में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। वहीं इसे लेकर नगीना से सांसद चंद्रशेखर ने भी पलटवार किया है। नगीना से सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा नेता ने जैसे काम किये उसी की परफॉरमेंस के आधार पर जनता ने वोट दिया। विधायक ओम कुमार को पिछले भाजपा उम्मीदवार के मुकाबले भी 50 हजार कम वोट मिले हैं। उन्होंने कहा कि ओमकुमार जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं वह लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है।

भाजपा नेता ने बयान दिया था कि जिन्होंने वोट दिया उन्हीं का काम करूंगा। चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा के नेता अपने कार्यकर्ताओं का भी काम नहीं करा पा रहे। मेरे पास अगर भाजपा के कार्यकर्ता भी आएंगे तो उनका भी काम कराऊंगा। भाजपा के लोग अपने लोगों का भी काम नहीं करा पा रहे। चंद्रशेखर ने कहा कि सतगुरु रविदास महाराज जी से प्रार्थना करूंगा कि ओमकुमार को सद्बुद्धि मिले। ओमकुमार विधायक हैं उनको जनता के लिए काम करना चाहिए। मैंने संसद में पहले ही दिन नगीना लोकसभा के कई मुद्दे उठाए। नगीना में सरकार ने कुछ नहीं किया। नगीना में उद्योग नहीं, एम्स नहीं, बड़ा अस्पताल नहीं, कॉलेज नहीं है, यूनिवर्सिटी नहीं है।

बिजनौर में बाढ़ की बड़ी समस्या है। हर साल बाढ़ के नाम पर करोड़ों रुपया नेता और अफसर खा जाते हैं। बाढ़ का पैसा नेता और अफसर के नाम पर फाइलों तक ही सीमित रहता है। अब यहां का सांसद ऐसा नहीं जो कमीशन खायेगा, यहां का सांसद ऐसा है कि अब जो अफसर काम नहीं करेगा वह नहीं रहेगा, काम करना पड़ेगा।

उधर, कुछ दिन पहले नमाज और कांवड़ को लेकर चंद्रशेखर ने बयान दिया था कि कांवड़ पर दुकानें बीस दिनों तक बंद रह रह सकती हैं तो ईद पर 20 मिनट के लिए सड़क पर नमाज भी हो सकती है।

उसी पर ओमकुमार ने पलटवार करते हुए कहा था कि चंद्रशेखर को मुसलमानों से हमदर्दी है तो अपने घर में नमाज पढ़वाएं।

आज इसका जवाब देते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि मैं अपने घर नमाज पढ़वा लूंगा। उनका दिल छोटा है, हमारा दिल छोटा नहीं है। किसी के धर्म की इज्जत करना कोई गलत नहीं है। कांवड़ की व्यवस्था को लेकर चंद्रशेखर ने कहा कि कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था सही से होनी चाहिए, हाथरस जैसी नहीं होनी चाहिए।

चीन का है ठगों का सरदार 15 फीसदी कमीशन पर कराता है ठगी

प्रयागराज। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पिछले कई साल से वह ठगी के पैसों का वारा–न्यारा कर रहे हैं। शुरुआत के दिनों में उनको चालू खाते खुलवाने का टास्क दिया गया था। कहा गया था कि मेट्रो या महानगर के शहरों में खाते होने चाहिए। पूर्व सीएमओ डॉ. आलोक वर्मा से 1.26 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में साइबर पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुख्य आरोपी शबीना, उसका पति पटेल सुहेल मोहम्मद और भाई अमीरद्दीन को रिमांड पर लिया। इन्होंने बताया है कि इनका सरदार चीन का है। इनके ताइवान और दुबई में ऑफिस हैं, जहां ये भारतीयों को बारह से पंद्रह फीसदी कमीशन पर रखते हैं। इसके बाद इनको ट्रेनिंग दी जाती है। ठगी करने के गुर से लेकर पैसों को दुबई और ताइवान में ट्रांसफर करने के हुनर सिखाए जाते हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पिछले कई साल से वह ठगी के पैसों का वारा–न्यारा कर रहे हैं। शुरुआत के दिनों में उनको चालू खाते खुलवाने का टास्क दिया गया था। कहा गया था कि मेट्रो या महानगर के शहरों में खाते होने चाहिए। इसके बाद वह लोग ऐसे बैंककर्मी की तलाश में जुट गए, जो खाते खुलवाने का काम करते हैं। इनके संपर्क में आने के बाद उन लोगों ने सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली और मध्य प्रदेश के कई शहर में चालू खाते खुलवाएं और फिर ठगी की रकम को इसमें ट्रांसफर किया जाने लगा। पुलिस की जांच में सूरत के खातों का लिंक मिला है। पुलिस अब इन सभी बैंक खातों का सत्यापन करने में जुट गई है।

पुलिस ने दागे कई सवाल

साइबर पुलिस आरोपियों से हर पहलुओं पर पूछताछ कर रही है। पूछा कि उनके साथ और कितने लोग शामिल हैं? किन–किन शहरों में जाल फैला है? आका से संपर्क कैसे होता है? कितने बार विदेश यात्रा की है? ठगी के पैसों को कहां खर्च किया जाता है? इन तमाम सवालों के जवाब पूछे गए। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अभी और गिरफ्तारी हो सकती है। बता दें कि पुलिस ने बीते छह जुलाई को शबीना, पटेल सुहेल मोहम्मद और अमीरद्दीन को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

अबतक करोड़ों रुपये का वारा-न्यारा

पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि शबीना ने एक–एक दिन में लाखों रुपये का ट्रांजेक्शन होता था। वह करोड़ों रुपये बिटक्वाइन में निवेश कर पैसों को दुबई अपने आका के पास भेज चुकी है। इसके लिए उसे पंद्रह से बीस फीसदी तक कमीशन मिलता था। बताया भारतीय मूल के कई युवा भी लगातार इन ठगों के संपर्क में आ रहे हैं। ये ठग ऑनलाइन नौकरी देने का झांसा देकर लोगों को अपने जंजाल में फंसाते हैं। इनका काम सिर्फ बिटक्वाइन से भारत से पैसा दुबई ट्रांसफर करना होता है।

उन्नाव हादसे पर एक्शन मोड में परिवहन मंत्री

सड़क पर चलाया अभियान, 10 बसें और एक कार को कराया सीज; हड़कंप

आजमगढ़। वाहनों के खिलाफ चले अभियान के बाद मालिकों में हड़कंप मच गया। परिवहन मंत्री को जांच करते देख सभी के पसीने छूटने लगे। त्वरित तौर पर कागज नहीं दिखाने वालों पर भी कार्रवाई की गई। इसके साथ ही उन्हें कागज और नियम के तहत सड़क पर चलने की हिदायत दी गई।

उन्नाव में हुई घटना को लेकर परिवहन विभाग सतर्क हो गया है। गुरुवार को परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भंवरनाथ में खड़े होकर परिवहन विभाग और पुलिस के सहयोग से 10 बसों व एक अर्टिगा को पकड़वा कर कंधरापुर थाने भेजा। जहां सभी गाड़ियों को सीज कर दिया गया।

लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर बुधवार की सुबह बिहार से दिल्ली जा रही निजी बस ने दूध के टैंकर में टक्कर मार दी। इस घटना में 18 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना को लेकर परिवहन विभाग पूरी तरह से सतर्क हो गया है। इसी क्रम में गुरुवार की सुबह भ्रमण पर निकले प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भंवरनाथ चौराहे पर अनगिनत वाहनों को खड़े देखा। उन्होंने परिवहन विभाग और पुलिस टीम के साथ इन निजी बसों की जांच और धर पकड़ शुरू कराई। इस दौरान उनके द्वारा कुल 11 वाहनों को पकड़कर कंधरापुर थाने भेजा गया, जिसमें 10 बस और एक अर्टिगा कार शामिल रही। परिवहन मंत्री द्वारा पकड़ी गई गाड़ियों को कंधरापुर थाने पहुंचकर सीज कराया गया। इस कार्रवाई से निजी वाहन संचालकों में हड़कंप मचा रहा।

गाड़ी मालिकों द्वारा इस कार्रवाई के शुरू होने पर भंवरनाथ पहुंचने वाली अन्य गाड़ियों के चालकों को फोन कर रास्ते में ही कहीं गाड़ी को रोकने के निर्देश दिए जाने लगे।

बोले परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह

इन लोगों के द्वारा रॉन्ग साइड में गाड़ियों को खड़ा किया गया था। दूसरे प्रदेशों के नंबर लगी गाड़ियों को यहां से चलाया जा रहा है। न तो इनका फिटनेस है और ना ही इंश्योरेंस है। यह लोग बिना परमिशन के ही यहां से नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली तक सवारियों को बिना परमिट के ही ढ़ोया जाता है। ऐसी गाड़ियों को आज परिवहन विभाग के साथ मिलकर सीज किया गया है। अक्सर जगह–जगह दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिसे देखते हुए आज यह कार्रवाई की गई है।

बोले अधिकारी

शासन की तरफ से निर्देश मिले थे। जो गाड़ियां रोड़ पर चल रही हैं उनकी जांच की जाए। जिसमें यह निर्देश था कि अगर कोई परमिट की शर्तों को उल्लंघन कर रहा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। अगर किसी गाड़ी का फिटनेस फेल है तो गाड़ी मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। जिसके तहत आज कार्रवाई की गई है। हमारा यह अभियान 31 जुलाई तक जारी रहेगा।

- आरएन चौधरी, एआरटीओ प्रवर्तन।

आजमगढ़ में नौ बाल श्रमिकों को कराया मुक्त

ताबड़तोड़ हुई कार्रवाई परिजनों को दी गई हिदायत

आजमगढ़। बाल श्रम के खिलाफ चलाए गए अभियान से आजमगढ़ के कई दुकानदारों में हड़कम्प की स्थिति बनी रही। बालश्रम उन्मूलन सहित कई अभियान चलाए गए। वहीं, बच्चों को उनके परिजनों को सौंपने के साथ ही हिदायत भी दी गई है। पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक यातायात/ नोडल अधिकारी एएचटी के मार्गदर्शन में गुरुवार को जनपद में बालश्रम उन्मूलन, मानव तस्करी, नशामुक्ति अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सिधारी थाना क्षेत्र के नरौली तिराहा, शाहगढ़ व मुबारकपुर के कस्बा मुबारकपुर, सठियांव बाजार, सठियांव तिराहा जहानागंज रोड आदि स्थानों से चेकिंग किया गया। इस दौरान कुल नौ बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। मौके पर मुक्त कराए गए बालश्रमिकों को नियमानुसार श्रमविभाग द्वारा उनके परिजनों की सुपुर्दगी में दिया गया। साथ ही हिदायत दी गयी कि बच्चों से भविष्य में बाल श्रम न करायें। सम्बन्धित प्रतिष्ठानों के सेवायोजकों के विरुद्ध अधिनियम का उल्लंघन करने के संबंध में श्रमविभाग द्वारा नियमानुसार नोटिस जारी की गई। संयुक्त टीम द्वारा दुकानदारों व जनता के लोगों को बालश्रम न कराने पर जोर दिया गया और सार्वजनिक स्थानों व मिठाई की दुकान, रेस्टोरेंट, ढ़ाबा, ब्रेकरी, आटो मोबाइल की दुकान, गैराज आदि स्थानों पर बालश्रम न कराने से सम्बन्धित पोस्टर चस्पा कर लोगों को जागरुक किया गया। इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्प लाइन नंम्बरों 108, 112, 1090, 1098, 1076, 181 आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। उक्त अभियान में विशाल श्रीवास्तव, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, देवेन्द्र सिंह, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, अभय राज मिश्र, प्रभारी निरीक्षक, थाना एएचटी, सरिता पाण्डेय, रोहित मिश्र, अनिल कुमार, जनविकास संस्थान सहित आदि शामिल थे।

राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए बोले जिलाधिकारी बलिया :जहां शिक्षा जीवन को देती है उच्चता, तो खेल जीवन को करता है अनुशासित

सनबीम स्कूल बलिया : तीन दिवसीय राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का हुआ आगाज

बलिया। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है, इसीलिए आज वर्तमान समय में शिक्षा के साथ खेलों को भी आवश्यक मानते हुए उसे भी पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।बलिया का सनबीम स्कूल अपने विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए सदैव ही चर्चा की केंद्रबिंदु बना रहता है।विद्यालय सदैव ही आधुनिक शिक्षा प्रणाली को दृष्टिगत रखते हुए पठन पाठन के साथ विभिन्न गतिविधियों को भी विद्यार्थियों द्वारा करवाता है ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।इसी क्रम में अपनी विद्वता का परिचय देने वाले विद्यार्थियों हेतु जिले में पहली बार सनबीम स्कूल के प्रांगण में राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 10 जुलाई को मुख्य अतिथि जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार द्वारा तुलसी वेदी पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान विशिष्ठ अतिथि के रूप में बीएसए मनीष सिंह,जिला शतरंज संगठन के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह,उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह,सचिव उमेश सिंह तथा युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

तत्पश्चात विद्यालय के निदेशक डॉ कुंवर अरुण सिंह तथा प्रधानाचार्या डॉ अर्पिता सिंह ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट देकर किया। इस अवसर पर डॉ राजेश सिंह ने सनबीम के निदेशक डॉ कुंवर अरुण सिंह को स्वलिखित उपन्यास चॉक सी नाचती जिंदगी उपहारस्वरूप भेंट की।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी बलिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी खिलाड़ियों एवं विद्यालय के कक्षा छः से आठ तक के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि शिक्षा जीवन को उच्चता देती है तो खेल जीवन को अनुशासित करता है।खेल वह मध्यम है जिससे शारीरिक एवं मानसिक दोनों विकास होते हैं। शतरंज का महत्व समझाते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि शतरंज वह खेल है जिससे हमारी सोचने समझने की शक्ति बढ़ती है,स्मरण शक्ति तेज होती है, मस्तिष्क स्थिर रहता है तथा समस्या समाधान की शक्ति विकसित होती है। इस लिये सभी को निरंतर शतरंज का खेल खेलते रहना चाहिए। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया, जिसमे क्रमशः राम आयेंगे तथा दीवा नृत्य की प्रस्तुति की गई।

विदित हो कि विद्यालय की बालिकाओं ने अपने दीवा नृत्य की प्रस्तुति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता एएफएस में द्वितीय स्थान प्राप्त किया गया था।आज इस कार्यक्रम में उन बालिकाओं को बीएसए बलिया द्वारा सम्मानित किया गया। इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता (अंडर 15) बालक बालिका वर्ग तथा ओपन बालक बालिका वर्ग में खेल आयोजित होगा,जिसमे पूरे उत्तर प्रदेश से लगभग 200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया है। प्रतियोगिता में ऑर्बिटर के रूप में लखनऊ के इंटरनेशल ऑर्बिटर हेमंत शर्मा, लखनऊ के फेडरेशन ऑर्बिटर आनंद सिंह, रायबरेली के आदित्य कुमार दुबे तथा ओंकार सिंह अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विद्यालय निदेशक डॉ कुंवर अरुण सिंह गामा तथा प्रधानाचार्या डॉ अर्पिता सिंह ने सभी आर्बिटरों को पुष्पगुच्छ एवम स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

अपने स्वागत संबोधन में विद्यालय निदेशक डॉ कुंवर अरुण सिंह ने सभी अतिथियों का अपना बहुमूल्य समय व योगदान देने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही कार्यक्रम में पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा कि खेल में सफल विद्यार्थियों हेतु मेडल ट्रॉफी के साथ ही शीर्ष पांच खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार भी दिया जाएगा जो क्रमशः आठ हजार, छः हजार,पांच हजार,चार हजार एवम दो हजार है।

इस कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के सभी खेल अध्यापक क्रमशः पंकज कुमार सिंह,आशीष गुप्ता,तरुण सक्सेना,कमल यादव ,राजेश, अबू सईद, कुमारी बबीता,प्रीती गुप्ता,प्रिया आदि की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित रूप से संपूर्ण संचालन में विद्यालय प्रशासक संतोष कुमार चतुर्वेदी,विद्यालय डीन श्रीमती शहर बानो, हेडमिस्ट्रेस श्रीमती नीतू पाण्डेय अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

समस्याओं के निस्तारण बिना आनलाइन हाजिरी स्वीकार नहीं: राजेश सिंह

बलिया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (प्राथमिक संवर्ग) की जनपद इकाई द्वारा प्रदेशीय आह्वान पर जिला संयोजक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जनपद के हजारों शिक्षकों के साथ डिजिटाइजेशन व ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी, बलिया के माध्यम सौंपा गया। इस मौके पर जनपद के सभी शिक्षक संगठन के घटक दलों ने एक मंच पर आकर इस मुहिम में साथ दिया। जिला संयोजक श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा 15 जुलाई से ऑनलाइन उपस्थिति का आदेश निर्गत किया गया था। जिसके विरोध में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा दिनांक 8 जुलाई को विरोध करने का निर्णय लिया गया था जिसके फलस्वरूप महानिदेशक द्वारा तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाते हुए शिक्षकों की आवाज़ को दबाने की मंशा से अपने पूर्व के आदेश को संशोधित करते हुए दिनांक 8 जुलाई से ही ऑनलाइन उपस्थिति का आदेश निर्गत कर दिया गया जो कि उनकी हठधर्मिता एवं संवेदनहीनता को दर्शाता है। विभागीय उच्चाधिकारी वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बिना जमीनी हक़ीक़त जाने ही इस प्रकार के अव्यवहारिक एवं तुगलकी फरमान जारी करते रहते हैं जिनमें आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को दूर किए बिना उस पर अमल कर पाना संभव ही नहीं है। श्री सिंह ने कहा कि अगर अध्यापकों की समस्याओं का पूर्ण समाधान किए बिना ही ऑनलाइन उपस्थिति का आदेश जबरन थोपा जाता है तो प्रदेश के लाखों अध्यापक एकजुट होकर प्रचंड आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

सहसंयोजक प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा कई बार महानिदेशक स्कूल शिक्षा को ज्ञापन सौंप कर डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई थी तथा दिनांक 14 मार्च 2024 को महानिदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय में धरना भी किया गया था। तब महानिदेशक द्वारा संगठन के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया था कि डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं के निस्तारण के पश्चात ही इसे लागू किया जाएगा परन्तु उच्चाधिकारियों द्वारा इन मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया। इस तानाशाहपूर्ण रवैए से आम शिक्षकों की भावनाएं आहत हुई हैं। जिला सदस्यता प्रभारी अकीलुर्रहमान खान ने बताया कि विभागीय अधिकारी दमनपूर्वक ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था लागू करना चाहते हैं जो अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। शासन को सबसे पहले ऑनलाइन उपस्थिति आदेश करने से पूर्व प्रदेश के सभी विद्यालयों का सर्वे कराना चाहिए उसके उपरांत समस्त मूलभूत समस्याओं को देखते हुए उनका सम्पूर्ण समाधान निकालना चाहिए तब कहीं जाकर ऑनलाइन उपस्थिति के बारे में विचार करना न्यायोचित होगा। बिना सर्वे किए इस तरह के मनमाने फरमान जारी करने से समस्त शिक्षक समाज स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। शिक्षकों में शासन व विभाग के प्रति व्यापक आक्रोश व भय का माहौल व्याप्त है। विभाग में वर्षों से अंतःजनपदीय स्थानांतरण एवं पदोन्नति की प्रक्रिया केवल कागजों में ही घूम रहा है। सुदूर ब्लॉकों में कुछ ऐसे भी विद्यालय हैं जिनको नदी पार करके जाना पड़ता है, कुछ विद्यालय पहाड़ी क्षेत्रों में अवस्थित हैं, कुछ विद्यालयों के रास्ते कच्चे मार्ग से होकर गुजरते हैं इत्यादि सभी प्रकार की समस्याओं का विभाग पहले समाधान निकाले उसके उपरांत ही डिजिटाइजेशन की व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

ज्ञापन सौंपने वालों में उवप्रव प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अजय सिंह, महिला संघ की अध्यक्ष अन्नू सिंह, राज्यकर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष राजेश पाण्डेय, रामआशीष यादव, कविता सिंह, मंदाकिनी द्विवेदी, पुष्पेंद्र सिंह, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, अमरेंद्र सिंह, कृष्णा नंद पांडेय, अकीलुर्रहमान खान, राजीव सिंह, रजनीश चौबे, शुभम प्रताप सिंह, ओंकारनाथ सिंह, अमित यादव, राजेश सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, संजीव सिंह, कर्ण प्रताप सिंह, अभिषेक सिंह, गणेश यादव, संतोष गुप्ता, मुकेश सिंह, सुदीप तिवारी, अखिलेश कुमार, डाव विनय भारद्वाज, शीतांशु वर्मा, नीतीश राय, अंकुर द्विवेदी, अभिषेक तिवारी, कुलभूषण तिवारी, रोहित सिंह, उत्कर्ष सिंह, सर्वेश वर्मा, प्रवीण राय, विजेंद्रनाथ पांडेय, मृदुल पांडेय, श्वेतांश, आनंद यादव, ओमप्रकाश सिंह, अभिमन्यु कुमार, मुमताज, विंध्याचल सिंह, सुमित ओझा, मिंटू यादव, संजीत कुमार, अनीता सिंह, अमरेश चतुर्वेदी, मुन्नू पासवान, अलोक कुशवाहा, मनीष बरनवाल, जितेंद्र गोंड, अभिनव गुप्ता, उमेश राय, कृष्णमोहन यादव, महेश यादव, सुधीर सिंह एवं नवीन दुबे इत्यादि सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

महज़ आधे घंटे की बारिश ने खोली नगर पालिका और जिला प्रशासन की पोल, सड़के और गालियां तालाब में तब्दील

बलिया। मात्र आधे घंटे की बारिश ने शहर की सड़कों व गलियों कों तालाब में तब्दील कर दिया है। उमस भरी भरी गर्मी के बाद आधे घंटे तक हुई झमाझम बारिश ने शहर की सड़कों और गलियों कों तालाब मे बदल दिया।नाले का पानी सड़को पर आ चुका है या यूं कहे तो आधे घण्टे की बारिश ने सरकारी सिस्टम की पोल खोल दी है। लोगों को उमस भरी गर्मी से भले ही राहत मिल गई हो लेकिन बारिश ने सड़क पर चलने वाले राहगीरों और छोटे–बड़े वाहनों और पटरी व्यवसायियों को पूरी तरह से प्रभावित किया। जिसकी लाइव तस्वीर हम आपको दिखा रहे हैं।यह तस्वीर बलिया शहर की है, आप साफ–साफ देख सकते हैं की सड़कों पर किस तरीके से आधे घंटे की बारिश के बाद जल जमाव हो गया सड़के और गालियां पूरी तरह से तालाब में तब्दील हो गई।

यह वह नगर पालिका है जो अपने दम पर सपना चौधरी का डांस करा लेती है, फ़िल्मी दुनिया के कलाकारों पर लाखों करोड़ों खर्च कर ददरी मेला मे वाहवाही लूटती है। लेकिन ज़ब नागरिकों कों सुविधाएं देने की बात आती है तो धनाभाव का रोना रोती है। आर्थिक तंगी के लिये नगर वासियों कों दोषी ठहराया जाता है लेकिन मेला मे मौज मस्ती मे कमी न हो इसके लिये पानी की तरह धन बहाती है।

एक ऐसा सरकारी अस्पताल जहां प्राइवेट अस्पताल से भी ज्यादे होता है मरीजों का शोषण

अधीक्षक लिखते है सरकारी पर्ची पर बाहर की दवा व जांच

बलिया । स्वास्थ्य, शिक्षा व सुरक्षा ये तीन क्षेत्र ऐसे है जिससे आम जनमानस का सीधा जुड़ाव होता है। यही कारण है कि सरकार भी इन तीनो क्षेत्रों मे जनता कों अत्यधिक सुविधाओं कों देने के लिये तत्पर रहती है। स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है जहां सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं के सहारे ही अधिकांश गरीब व सामान्य जन मानस बीमारियों के समय इलाज करा पाता है। यही कारण है कि सरकार ने जनपद मुख्यालय हो, तहसील मुख्यालय हो, ब्लॉक मुख्यालय हो, पर सरकारी अस्पतालों कों खोलने के साथ ही न्याय पंचायत व ग्राम पंचायत स्तर तक सहायक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व एएनएम सेंटर खोलकर लोगों कों स्वास्थ्य सुविधाएं निःशुल्क प्रदान करती है।

ऐसा ही सिकंदरपुर तहसील के खेजूरी मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। यह पूर्णतः सरकारी है। यहां की सारी सुविधाएं निःशुल्क है। लेकिन ज़ब चिकित्सक के मन मे येनकेन प्रकारेण धन कमाने की प्रवृत्ति जाग जाती है तो वह सीधे सीधे मरीजों का शोषण करना शुरू कर देता है। चिकित्सक की इस अभिलाषा कों पूर्ण करने मे दवा विक्रेता और जांच केंद्र संचालक जी जान से सहयोग करते है। प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेजूरी भी इसी किस्म के चिकित्सक के रूप मे कुख्यात हो गये है। इनके पास जो भी मरीज चला जाय उसकी एक हजार से दो हजार की जांच, लगभग डेढ़ से दो हजार की बाहर की दवा जरूर लिखेंगे। साहब मात्र एमबीबीएस है लेकिन अपने पास आये मरीज कों कही बाहर के लिये रेफर नहीं करेंगे बल्कि खुद इलाज करेंगे।साहब का इलाज किसी भी प्राइवेट अस्पताल व चिकित्सक से बहुत महंगा होता है।नीचे की पर्चीयों पर देखिये, साहब कैसे सरकारी पर्ची पर बाहर की जांच व

बाहर की दवा धड़ल्ले से लिखें हुए है —— बता दे कि सरकार द्वारा सख्त निर्देश है कि सरकारी अस्पताल के चिकित्सक किसी भी सूरत मे न तो बाहर की दवाये लिखेंगे, न ही जांच बाहर से कराएंगे, सरकारी पर्ची पर तो एक दम से नहीं।लेकिन यहां के प्रभारी धड़ल्ले से सरकारी पर्ची पर न सिर्फ बाहर की दवाएं लिख रहे है बल्कि जांच भी करा रहे है। यह भी बता दे कि इनके द्वारा लिखी गयी दवाएं भारी कमीशन वाली है और जांच तो 50—50 मे होती है। अब आप लोग ही सोचिये कि इनसे इलाज कराने वाला तंदरुस्त होगा कि चिकित्सक, जांच करने वाला और दवा विक्रेता?

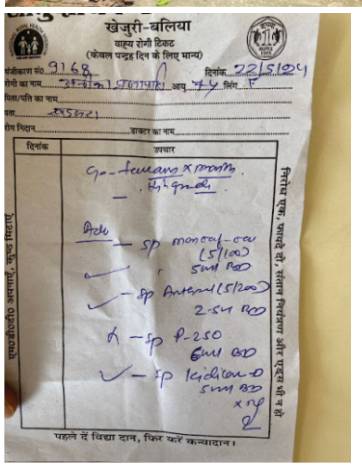

यह केवल एक ही जगह की नहीं है, यह प्रकरण जनपद भर मे मिल जायेगा। यहां सबसे अधिक है। यही नहीं देहात के अस्पतालों पर कुछ अस्पतालों कों छोड़कर रात कों चिकित्सक रहते ही नहीं है। प्रसव के बाद जबरिया खुशीनामा लेना तो आम बात है।

यही नहीं यहां जो निरीह कर्मचारी है उसके ऊपर सभी सरकारी बंदिशे लागू है लेकिन जो रसूखदार है वह जहां से नौकरी शुरू किया है वही से सेवनिवृत होने की भी चाह मे है। सरकार का शासनादेश ऐसे रसूखदारों पर नहीं लागू होता है। जिलाधिकारी अगर पूरे जनपद भर के अस्पतालों से तैनात कर्मचारियों का तैनाती का दिनांक व वर्ष मांग लें तो पूरी हकीकत सामने आ जायेगी, लेकिन अबतक तो ऐसा हुआ नहीं है। इस खबर के प्रकाशित होने के बाद देखते है सीएमओ बलिया और जिलाधिकारी बलिया क्या कार्यवाही करते है?

इनर व्हील क्लब आफ लखनऊ ने मनाया अपना स्थापना दिवस

दो लड़कियो की फीस, कैंसर पीड़ित बच्चों के लिये 100 इंजेक्शन के साथ ही मुफ्त मे दिये लाखों के सामान

लखनऊ। इनर व्हील क्लब आफ लखनऊ राजधानी का अधिष्ठापन दिवस गोमती नगर के एक प्रतिष्ठित होटल में संपन्न हुआ। डिस्ट्रिक चेयरमैन श्रीमती आशा अग्रवाल के द्वारा नवनिर्वाचित सदस्यों को पद ग्रहण कराया गया। तनूजा जायसवाल ने प्रेसिडेंट,राधा सिंह ने सेक्रेटरी,वीना गौतम ने ट्रेजरार,शशि सिंह ने आईएसओ और पूजा सिंह ने एडिटर का पद ग्रहण किया। इसी कड़ी में 21 प्रोजेक्ट किए गए। 3 वाटर कूलर और एक हैपी स्कूल जिनका उद्घाटन चेयरमैन आशा अग्रवाल के द्वारा किया गया। प्लास्टिक वेस्ट और ई—वेस्ट से रिसायकल किया हुआ बेंच बनाकर स्कूल में दिया गया। क्लब की पूर्व अध्यक्षाओं के द्वारा दो कन्याओं की फीस, 2 सिलाई मशीन, 5 साइकिल, 100 पैकेट सेनेटरी नेपकिन,102 रजिस्टर और झळडइ के कैंसर पीड़ित बच्चों के लिए 27 इंजेक्शन और खिलौने दिये गए। मानसिक रूप से विकलांग महिलाओं के लिए 10 रबर बेडशीट दिए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष तनुजा जयसवाल ने कहा कि हमारा रनिंग प्रोजेक्ट 'अनुकर" कम से कम किराए पर चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराता है। ये हमारे क्लब का अनोखा प्रोजेक्ट है। क्लब ने 18 नए सदस्यों को भी शामिल किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों के अतिरिक्त क्लब के वरिष्ठ सदस्यों के साथ अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

सीएचसी दुबहड़ पर हुए 11 लाख के किराया घोटाले के जिम्मेदारों पर कार्यवाही कब ? कब जमा होंगे सरकारी खजाने मे 11 लाख रूपये

बलिया। किराये के नाम पर लगभग 11 लाख का घोटाला और घोटालेबाज आज भी बिना किसी भय के काम कर रहे है। इस घोटाले की शिकायत सीएमओ, डीएम से लगायत माननीय मुख्यमंत्री जी के यहां तीन बार की जा चुकी है (जनता दरबार मे)वावजूद अगर कोई कार्यवाही अब तक नहीं हुई तो बलिया के स्वास्थ्य विभाग मे भ्रष्टाचार मुक्त करने का सीएम योगी का नारा बेमानी लगता है।

बता दे कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुबहड़ मे किराये के भुगतान के नाम पर जिम्मेदारों ने 11 लाख रूपये आपस मे ही बांट लिये। इसकी शिकायत मिलने पर तत्कालीन सीएमओ डॉ जयंत कुमार ने जांच बैठा दी। जांच टीम ने भी अपनी रिपोर्ट मे 11 लाख के गबन कों सही पाया और जिम्मेदारों से इसकी रिकवरी के लिये संस्तुति की है, ऐसा बताया जा रहा है लेकिन अभी तक किसी ने भी 1 रुपया भी जमा नहीं किया है।इसका कहना है कि ज़ब माननीय मुख्यमंत्री जी से तीन बार मिलने के बाद भी भ्रष्टाचारियों पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है तो लगता है अब भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का सरकारी निर्थक साबित हो रहा है। अब देखना है वर्तमान जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार सरकारी धन कों लूटकर ऐश की जिंदगी जीने वाले तत्कालीन एमओआईसी दुबहड़ और एनएचएम के जिम्मेदारों पर क्या कार्यवाही करते है और कितनी जल्दी सरकारी खजाने मे 11 लाख रूपये वापस जमा कराते है?

सूदखोर के चंगुल मे फंसे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने की आत्महत्या सुदखोरों के आतंक पर रोक लगाने मे प्रशासन असफल

बलिया। सीडीओ के बंगले पर तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी द्वारा सुदखोर के आतंक से गुरुवार कों फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बता दे कि शहर कोतवाली क्षेत्र के आयुर्वेदिक कालोनी में गुरुवार की सुबह एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक के पुत्र की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के पीछे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी द्वारा सुरखोर से ब्याज पर पैसा लेना बताया जा रहा है। सूदखोर के लगातार दबाव के कारण कर्मचारी ने मजबूर होकर ऐसा कदम उठाया। बता दे कि कोतवाली पुलिस को आयुर्वेदिक कालोनी निवासी अंकित शर्मा पुत्र पूनाराम शर्मा ने सूचना दिया कि मेरे पिता पूनाराम शर्मा 54 वर्ष पुत्र स्व मनिराम शर्मा घर से थोड़ी दूर गली में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुँच कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक सीडीओ बलिया

के बंगले पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात थे जो पत्रवाहक का काम करते थे।

बताया जा रहा है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी किसी सुदखोर से ब्याज पर पैसा लिया हुआ था। जिसकी वसूली मे वेतन खाते मे आते ही सूदखोर आता जाता था और जबरिया पूरा वेतन उतरवा कर लें लेता था। पैसे के अभाव में परिवार का भरण पोषण करने में कर्मचारी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अंततः कर्मचारी की हिम्मत जबाब दे गयी और उस ने आत्महत्या करने का निर्णय लिया और फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर लिया।पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मृतक नेपाल देश के जिला कपिलवस्तु थाना पिपरा निवासी नंदनगर का रहने वाला था। यह कोतवाली क्षेत्र के आयुर्वेदिक कॉलोनी स्थित मकान संख्या 133 में रहता था। बलिया मे सुदखोरों द्वारा कई लोगों के जान लेने के बाद भी जिला प्रशासन इन लोगों पर कड़ी कार्यवाही करने मे असफल है। अब देखना है कि सीडीओ के यहां कार्य करने वाले इस कर्मचारी की मौत पर जिला प्रशासन क्या कार्यवाही करता है?

सांस्कृतिक योद्धा, समाज सुधारक स्व भिखारी ठाकुर की पुण्यतिथि पर संकल्प के रंगकर्मियों ने बिदेसिया का मंचन कर दी अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि

बलिया। भिखारी ठाकुर सही मायने में एक सांस्कृतिक योद्धा थे,सच्चे कला साधक थे । उन्होंने अपने नाटकों और गीतों के माध्यम से समाज को जगाया और एक नई दिशा दी ।

उक्त बातें जनपद के सुप्रसिद्ध रंगकर्मी आशीष त्रिवेदी ने कलेक्ट्रेट स्थित ड्रामा हाल में भिखारी ठाकुर की पुण्यतिथि पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता कही ।

कहा कि भिखारी ठाकुर समाज के एक सजग प्रहरी थे । उन्होंने अपने नाटकों में स्त्री विमर्श, रोजगार के अभाव में युवाओं का गांव से शहर की ओर पलायन , धार्मिक और जातीय आडम्बर जैसे विषयों पर नाटक लिखा और उसे मंचित कर समाज को झकझोरा ।

रंगकर्मीयों के लिए भिखारी ठाकुर के नाटक मंचित करना आज भी एक चुनौती है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं वरिष्ठ पत्रकार अशोक जी ने कहा कि भिखारी ठाकुर के नाटक आज भी प्रासंगिक है ।

भिखारी ठाकुर के दौर में जो समस्याएं थी वह समस्याएं आज भी किसी ने किसी रूप में मौजूद है । उनके द्वारा लिखा विदेसिया नाटक में पलायन के दर्द को उकेरा गया । पलायन की समस्या जब तक रहेगी तब तक उनके नाटक प्रासंगिक रहेंगे।

गीतकार शिवजी पांडेय रसराज ने कविता के माध्यम से अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।

इस अवसर पर संकल्प के रंगकर्मियों ने भिखारी ठाकुर के नाटक बिदेसिया के गीत "पियवा गइलन कलकतवा ए सजनी " और "करि के गवनवा भवनवा में छोड़ि कर अपने परइल पुरूबवा बलमुआ" की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। युवा लोक गीत गायक शैलेन्द्र मिश्र ने बारहमासा "आवे ला आषाढ़ मास लागे ला अधिक आस "और कजरी बरसे सावन रसदार हो बदरिया घेरि आइल सजनी " सुनाकर माहौल को मौसम के अनुकूल बना दिया ।

कार्यक्रम में ट्विंकल गुप्ता, आनंद कुमार चौहान, अनुपम पांडेय, रितेश पासवान, आदित्य,राहुल शर्मा ,आदित्य शाह ,जन्मेजय , ऋषभ, ऋतिक ,सुशील ,गुड़िया चौहान ,रिया ,खुशी, भाग्यलक्ष्मी प्रत्यूष इत्यादि मौजूद रहे ।

40 की उम्र में भी नहीं थम रही आमना शरीफ की हाटनेस

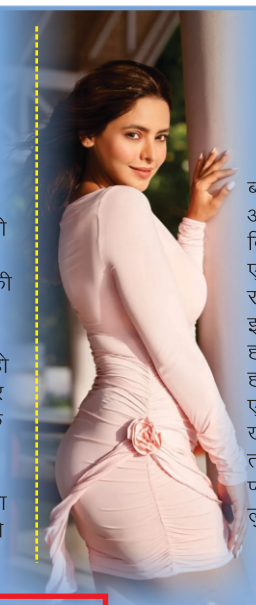

दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। देखिए एक्ट्रेस का हॉट लुक... आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग लग रहे हैं। आमना शरीफ जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाई हील्स, हाथों में छोटा सा बेग, ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। आमना शरीफ आए दिन अपने नए–नए लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच शेयर होते ही ट्रेंड करने लगता है।

रिया चक्रवर्ती की मदमस्त अदाएं

ब्लैक आउटफिट में रिया चक्रवर्ती की मदमस्त अदाएं चुरा लेंगी आपका दिल, देखें एक्ट्रेस का किलर लुक बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्डनेस के कारण चर्चाओं में रहती हैं। अभिनेत्री अपनी अदाओं से फैंस को इस कदर दीवाना बना देती हैं कि लोग उनकी हर एक फोटो पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में उनके ग्लैमरस अंदाज ने एक बार फिर से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। तस्वीरों में देखें एक्ट्रेस का अब तक का सबसे हॉट लुक... 1/7 ब्वनतजमेलः प्देजंहतंउ एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपने लुक स के कारण फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। 2/7 ब्वनतजमेलः प्देजंहतंउ अब हाल ही में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस अवतार देखकर लोग काफी चौंक गए हैं।

एक जैसे कपड़ों में दिखे खुशी और वेदांग

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड की दुनिया में अक्सर अभिनेता और अभिनेत्री अपनी डेटिंग और रिलेशनशिप की खबरों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। कई बार वह अफवाहों का भी शिकार हो जाते हैं। रूमर्ड कपल की लिस्ट में जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर और वेदांग रैना भी शामिल हैं। खुशी कपूर और वेदांग रैना हाल ही में अनंत–राधिका की हल्दी में पहुंचे। दोनों को समारोह में आते हुए तो नहीं स्पॉट किया गया लेकिन उन्हें समारोह से जाते हुए जरूर देखा गया।

नाइटविंयर में दिखे खुशी कपूर और वेदांग

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की हल्दी और मेहंदी सेरेमनी से एक वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो में कथित कपल खुशी कपूर और वेदांग रैना को देखे जाने का दावा किया जा रहा है। वीडियो में अभिनेत्री को चेक्ड पजामे और नीली टी–शर्ट में देखा गया। खुशी के साथ वेदांग को भी देखा गया, उन्होंने मैचिंग नाइटविंयर पहन रखा था।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट प्री-वेलडग

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी भारत की सबसे बड़ी शादियों में से एक है। इस समारोह को पूरी दुनिया ने देखा। जामनगर में अपने इवेंट में रिहाना को पहली बार भारत में परफॉर्म करने के लिए आमंत्रित करने के बाद, अंबानी परिवार ने अपने सभी मेहमानों को इटली और रोम में अपनी दूसरी प्री–वेडिंग पार्टी के लिए एक शानदार क्रूज पर ले गए थे। वहीं, इस महीने की शुरुआत में जस्टिन बीबर को संगीत समारोह में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए एक बड़ी रकम खर्च की। इसके बाद ममेरू फंक्शन, गृह शांति पूजा और फिर 8 जुलाई को हल्दी समारोह पूरा हुआ।

हल्दी समारोह में ये सितारे रहे शामिल

सलमान खान से लेकर रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, सारा अली खान, खुशी और जान्हवी कपूर, वीर और शिखर पहाड़िया, बोनी कपूर, मानुषी छिल्लर, ओरी, अनिल, टीना अंबानी और कई अन्य बी–टाउन सेलेब्स शामिल हुए। बता दें कि 12 जुलाई को यह जोड़ा आखिरकार शादी कर लेगा। 13 जुलाई को 'शुभ आशीर्वाद' और 14 जुलाई को 'मंगल उत्सव' यानी वेडिंग रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

शमा सिकंदर का सिजलिंग पोज

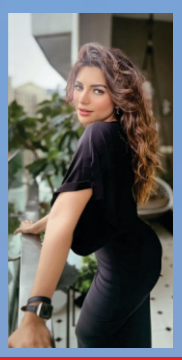

लेटेस्ट फोटोज ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान एक्ट्रेस शमा सिकंदर इन दिनों भले ही एक्टिंग की दुनिया से दूर हैं, लेकिन आए दिन अपनी बोल्ड और स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लोगों को अपनी ओर रिझाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनकी सिजलिंग अदाएं देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। देखिए एक्ट्रेस की अब तक की सबसे ग्लैमरस फोटोज... टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस को लेकर अक्सर लोगों के बीच लाइमलाइट बटोरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलकनी में खड़े होकर बेहद ही सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

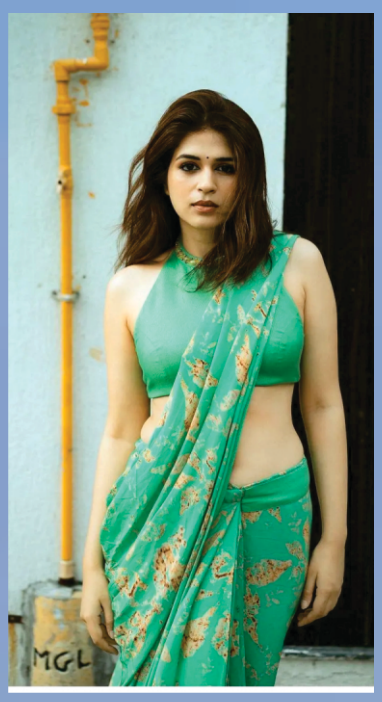

साउथ फिल्मों की खूबसूरत अभिनेत्री श्रद्धा दास आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सादगी से फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस भरी अदाएं देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं।

माथे पर बिंदी, खुले बाल और साड़ी पहने बला की खूबसूरत लगीं श्रद्धा दास

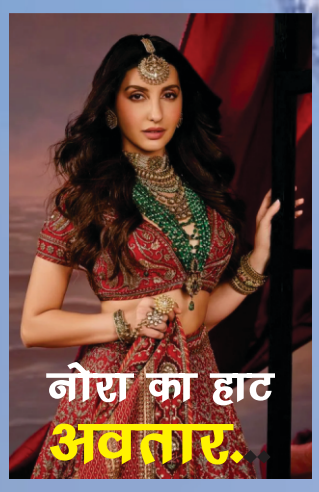

छोटी सी नथ, गले में नेकलेस पहन नोरा फतेही ने दिखाईं शोख अदाएं, किलर फोटोज देख मंत्रमुग्ध हुए फैंस छवतं थ्जमीप च्पबेः बॉलीवुड में अपने डांसिंग स्टाइल और बोल्डनेस से फैंस को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर फैंस के होश उड़ा

वड़ा पाव गर्ल से झगड़े के बाद शिवानी हुईं बेहोश

लोगों ने कहा–नौटंकी, पूछा–डॉक्टर कौन सी दवाई देता है

एंटरटेनमेंट डेस्क।'बिग बॉस ओटीटी 3' में विवादों का सिलसिला शुरू हो चुका है। यह सीजन लगातार चर्चा में बना हुआ है। सोशल मीडिया पर घर के अंदर हो रही गतिविधियों पर जमकर बहस छिड़ी हुई है। मौजूदा समय में विशाल पांडे और अरमान मलिक का विवाद सुर्खियों में बना हुआ है। वहीं, अब शो में 'वड़ा पाव गर्ल' उर्फ चंद्रिका और शिवानी कुमारी के बीच एक नई तकरार देखने को मिल रही है, जिसके बाद दर्शक शिवानी को खूब ट्रोल कर रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 के एपिसोड में, शो के प्रतियोगियों ने एक अलग तरीके से नामांकन देखा। इस बार बिग बॉस ने प्रतियोगियों से अपने पसंदीदा सदस्य को बचाने के लिए कहा। यह इस प्रक्रिया में चंद्रिका दीक्षित द्वारा उनका नाम न लेने पर शिवानी कुमारी बहुत आहत हुई। वह चंद्रिका के सामने फूट–फूट कर रोती हुई देखी गई और उन्हें नकली भी कहा।

इसके अलावा, जब चंद्रिका ने बाद में शिवानी से इसका सामना किया, तो वह फिर से फूट–फूट कर रोने लगी, इतना कि टकराव के बीच में वह अपने आंसुओं को रोक नहीं पाई और फिर बेहोश हो गई, जिसे देख घर के सभी प्रतियोगी एकदम से हैरान रह गए। जब शिवानी को मेडिकल रूम में ले जाया गया और फिर वापस लाया गया, तो साईं केतन राव को चंद्रिका दीक्षित और सना सुल्तान के साथ बातचीत में यही सवाल करते हुए देखा गया और यह सोचते हुए देखा गया कि डॉक्टर शिवानी को क्या दवा देते हैं कि वह बेहोश होने के तुरंत बाद ठीक हो जाती है।

पदक का सूखा समाप्त करने उतरेंगे भारतीय तीरंदाज

भारतीय तीरंदाजों को पहले पदक की आस, लिबा राम से लेकर दीपिका कुमारी तक की कोशिश रही है विफल

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत को कभी भी तीरंदाजी में ओलंपिक पदक नहीं मिला है और तीरंदाजों की कोशिश रहेगी कि 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में वह पदक का सूखा समाप्त करे। पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और अन्य भारतीय खिलाड़ियों की तरह ही तीरंदाजों ने भी इसके लिए कमर कस ली है। दिलचस्प बात यह है कि भारत को कभी भी तीरंदाजी में ओलंपिक पदक नहीं मिला है और तीरंदाजों की कोशिश रहेगी कि 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में वह पदक का सूखा समाप्त करे। भारत ने पेरिस खेलों के लिए पुरुष और महिला मिलाकर छह तीरंदाजों की टीम चुनी है।

ओलंपिक पदक के लिए तीरंदाजों को मिला आपसी जुड़ाव का मंत्र

ओलंपिक पदक का सूखा खत्म करने के लिए भारतीय तीरंदाजों को इस बार आपसी जुड़ाव का विशेष मंत्र दिया गया है। तीरंदाज न सिर्फ साथ खा रहे हैं, बल्कि साथ में आना–जाना कर रहे हैं। उन पर किसी भी तरह की नकारात्मक बात करने की पूरी तरह से पाबंदी है।

यही नहीं, फ्रांस रवानगी से पूर्व पुणे में तीरंदाजों को उसी अंदाज में तैयारी कराई गई, जिस तरह उन्हें पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी करनी है। पुणे में 10 दिन तक टीम ने जिस तरह पेरिस में मुकाबले होने हैं, उसी तरह तैयारी की। उन्हें पोडियम पर तीरंदाजी कराई गई। दर्शकों का शोर, माइक पर आवाज, बड़ी स्क्रीन पर पिक्चर, इन सबके बीच तीरंदाजों ने 10 दिन तक तैयारी की है।

कैसा रहा है भारतीय तीरंदाजों का इतिहास?

भारत ने 1988 के सियोल ओलंपिक में तीरंदाजी में पहली बार लिया हिस्सा। भारत ने तीरंदाजी में अब तक कोई पदक नहीं जीता है। 1992 के ओलंपिक में लिंबा राम पदक के काफी करीब पहुंच गए थे, लेकिन कांस्य पदक से चूक गए थे। तीरंदाजों को 24 बार साई ने विदेशी टूर्नामेंटों और तैयारियों के लिए भेजा, जिस पर 10.74 करोड़ का खर्च आया। साथ ही साढ़े छह करोड़ की लागत से 217 दिन के 41 बार राष्ट्रीय शिविर लगाए गए।

दीपिका–तरुणदीप सबसे अनुभवी

भारतीय तीरंदाजी दल में दीपिका कुमार और तरुणदीप राय सबसे अनुभवी हैं जो चौथी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। दीपिका 2012 लंदन ओलंपिक से लगातार इन खेलों में हिस्सा ले रही हैं, जबकि तरुणदीप ने 2004 एथेंस ओलंपिक से डेब्यू किया था और फिर 2012 तथा टोक्यो 2020 में भी शामिल रहे थे। प्रवीण जाधव ने टोक्यो 2020 से डेब्यू किया था और यह उनका दूसरा ओलंपिक होगा। पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में कोटा हासिल करने वाले धीरज बोम्मादेवारा, महिला व्यक्तिगत वर्ग में कोटा हासिल करने वाली भजन कौर और अंकिता भकत ओलंपिक में पदार्पण करेंगे।

दीपिका पदक की प्रबल दावेदार

भारतीय तीरंदाजी टीम में दीपिका कुमारी पदक लाने की दावेदार हैं जिन्होंने करीब एक दशक से प्रभावित किया है। भारत की इस अनुभवी तीरंदाज ने विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप, एशियन चैंपियनशिप, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता है। हालांकि, वह अब तक ओलंपिक पदक नहीं जीत सकी हैं। दीपिका शीर्ष रैंकिंग के साथ लंदन ओलंपिक में गई थीं, लेकिन प्रभावित करने में नाकाम रही थीं। रियो ओलंपिक में भी उनका प्रदर्शन खास अच्छा नहीं रहा था और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था।

टोक्यो ओलंपिक में दीपिका का कैसा रहा था प्रदर्शन?

दीपिका ने टोक्यो ओलंपिक में भी विश्व की नंबर एक तीरंदाज के तौर पर जगह बनाई थी और भारत की तरफ से एकमात्र महिला तीरंदाज थीं। उन्होंने महिला व्यक्तिगत रिकर्व और प्रवीण जाधव के साथ मिक्स्ड टीम इवेंट में हिस्सा लिया था। महिला वर्ग में दीपिका ने अपने पिछले दो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन किया था और वह पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। हालांकि, उनका सफर अंतिम आठ में ही समाप्त हो गया था। वहीं, मिक्स्ड टीम इवेंट में भी वह क्वार्टर फाइनल की बाधा पार नहीं कर सकी थीं।

भारतीय एथलीटों को मिलेगा जेब खर्च

आईओए की कार्यकारी परिषद ने कही ये बात

स्पोर्ट्स डेस्क। ओलंपिक बजट पास करने के लिए 30 जून को बुलाई गई कार्यकारी परिषद की बैठक में सदस्यों ने अपना दैनिक भत्ता लेने से इन्कार कर दिया, लेकिन यह भी कहा कि किसी को भी दोहरा जेब खर्च देना नहीं बनता है। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत होने में अब चंद दिन शेष रह गए हैं और भारतीय एथलीट इसके लिए तैयार हैं। भारत इस बार भी ओलंपिक में 100 से अधिक सदस्यों का दल भेज रहा है और उम्मीद है कि देश को पिछली बार की तुलना में और बेहतर सफलता मिलेगी। भारतीय एथलीटों को इस दौरान पेरिस में जेब खर्च मिलने का मामला काफी चर्चा में है, लेकिन भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद (ईसी) पेरिस ओलंपिक में खेलने जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को प्रति दिन 50 अमेरिकी डॉलर (लगभग चार हजार रुपये) का जेब खर्च देने के पक्ष में नहीं है।

ईसी का मानना है कि जब ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों को खेल मंत्रालय दैनिक जेब खर्च दे रहा है तो आईओए को यह भत्ता देने की जरूरत नहीं है। इससे पहले ईसी सदस्यों ने ओलंपिक के दौरान उन्हें मिलने वाला 300 डॉलर प्रतिदिन (लगभग 25 हजार रुपये) का दैनिक भत्ता लेने से इन्कार कर दिया था। आईओए की ओर से ओलंपिक के बजट में खिलाड़ियों को 50 और ईसी सदस्यों को 300 डॉलर प्रति दिन का जेब खर्च प्रस्तावित था। टोक्यो ओलंपिक के दौरान भी यही जेब खर्च खिलाड़ियों और ईसी सदस्यों को दिया गया था।

ओलंपिक बजट पास करने के लिए 30 जून को बुलाई गई कार्यकारी परिषद की बैठक में सदस्यों ने अपना दैनिक भत्ता लेने से इन्कार कर दिया, लेकिन यह भी कहा कि किसी को भी दोहरा जेब खर्च देना नहीं बनता है। खेल मंत्रालय पहले से ही खिलाड़ियों को एशियाई, राष्ट्रमंडल और ओलंपिक में 50 डॉलर का दैनिक जेब खर्च देता आ रहा है। ऐसे में आईओए की ओर से भी जेब खर्च दिए जाने का प्रावधान नहीं होना चाहिए। ईसी ने कहा कि खिलाड़ियों को जेब खर्च दिए जाने

का प्रस्ताव खेल मंत्रालय को भेजा जाना चाहिए।

प्रशिक्षकों को भी मिलेगी इनामी राशि

पदक विजेताओं के प्रशिक्षकों को भी ईनामी राशि देने का फैसला किया गया है। आईओए ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाले को एक करोड़, रजत जीतने वाले को 75 लाख और कांस्य जीतने वाले को 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देगा, लेकिन ईसी ने उनके प्रशिक्षकों को भी इनामी राशि देने का फैसला लिया है। ओलंपिक में जो प्रशिक्षक पदक विजेता के साथ होगा, उसी को कोच माना जाएगा। स्वर्ण पदक पर प्रशिक्षक को 25 लाख, रजत पर 20 और कांस्य पर 15 लाख रुपये दिए जाएंगे। टीम इवेंट के लिए आईओए ने क्रमशः दो करोड़, एक करोड़ और 75 लाख रुपये निर्धारित किए थे, लेकिन ईसी ने सरकारी नियमों के अनुसार टीम पदक विजेताओं को इनामी राशि दिए जाने को कहा।

जानें यूरो कप के सबसे युवा गोल स्कोरर यमाल के बारे में, मेसी के साथ 16 साल पुरानी तस्वीर वायरल

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

स्पोर्ट्स डेस्क। यमाल 2023–24 सीजन में क्लब स्तर पर कुछ बेहतरीन गोल करने के बाद फुटबॉल की दुनिया में छा गए थे। उन्हें एक उभरता हुआ सितारा बताया गया था और यहां तक कि लियोनल मेसी से तुलना तक की जाने लगी। फुटबॉल का अगला बड़ा सुपरस्टार मिल गया है। लामिने यमाल संभवतः ब्राजील के नेमार या फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे के बाद पहला मार्की नाम है। स्पेन के इस 16 साल के स्टार फुटबॉलर ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के फैंस को दिवाना बना दिया है। मंगलवार देर रात जब फ्रांस के खिलाफ यूरो कप के सेमीफाइनल में यमाल ने बराबरी का गोल दागा तो फैंस खुशी से चिल्ला पड़े।

यमाल ने इस यूरो कप में अपने प्रदर्शन से दिल तो जीते थे, लेकिन वह गोल करने में कामयाब नहीं हो पाए थे। सेमीफाइनल से पहले तक उनके नाम तीन असिस्ट थे। हालांकि, सेमीफाइनल जैसे भारी दबाव वाले मैच में बॉक्स के बाहर से शानदार गोल दागकर यमाल ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। यमाल के गोल का असर ऐसा हुआ कि चार मिनट के अंदर स्पेन के दानी ओल्मो ने दूसरा गोल दागकर फ्रांस पर स्पेन को निर्णायक बढ़त दिला दी। यमाल एक फॉरवर्ड खिलाड़ी हैं और विंगर के तौर पर भी वह शानदार हैं। आइए जानते हैं यमाल कौन हैं और क्यों उन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार माना जा रहा है...दरअसल, फ्रांस और स्पेन के बीच मंगलवार देर रात यूरो कप 2024 का सेमीफाइनल मैच खेला गया। इसमें फ्रांस की टीम ने नौवें मिनट में ही गोल दागकर बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद स्पेन की युवा टीम के सामने पहले इस बढ़त की बराबरी करने और फिर बढ़त हासिल करने की चुनौती थी।

यमाल ने यह चुनौती स्वीकारी और 21वें मिनट में बॉक्स के बाहर से क्रॉस शॉट खेलकर बेहतरीन गोल दागा। उनके शॉट को फ्रांस का गोलकीपर छू तक नहीं सका। इसके बाद 25वें मिनट में ही ओल्मो ने गोल दाग स्पेन को बढ़त दिलाई। तीनों गोल पहले हाफ में ही हुए। दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं हुआ और फुल टाइम तक स्पेन ने 2–1 से मैच अपने नाम किया। यमाल ने गोल कर इतिहास रच दिया। वह यूरो कप टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे युवा गोल स्कोरर बन गए।

यमाल 2023–24 सीजन में क्लब स्तर पर कुछ बेहतरीन गोल करने के बाद फुटबॉल की दुनिया में छा गए थे। उन्हें एक उभरता हुआ सितारा बताया गया था और यहां तक कि लियोनल मेसी से तुलना तक की जाने लगी। उन्होंने अपनी तकनीक, गोल बनाने की स्किल और उसे एक्जीक्यूट करने की अपनी क्षमता के लिए प्रशंसा प्राप्त की है। उनका खेल देखने से लगता है कि वह 10 साल के कोई अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन वास्तव में वह अभी भी स्कूल में हैं। यमाल की मौजूदा उम्र 16 साल है, लेकिन वह 13 जुलाई को 17 साल के हो जाएंगे। उनका जन्म 2007 में हुआ था।